दैनिक

भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-9 | झुंझुनू (राजस्थान) | शुक्रवार, 28 नवम्बर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्यः 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'जिस दिन इंसान अपनी जरूरतों और इच्छाओं का फर्क समझ लेता है, उसी दिन उसके जीवन से तनाव, तुलना और दिखावे की बीमारी हमेशा के लिए समाप्त हो जाती है।'

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication

A/C No: 61347330768

IFSC Code- SBIN0031880

Phone pe , G-pay

9983040937

भाजपा कार्यकारिणी में जोधपुर खाली हाथ, खींचतान ने बिगाड़ा खेला!

जोधपुर की राजनीतिक हैसियत पर सवालिया निशान, नेताओं में मायूसी

भीम प्रज्ञा न्यूज

जोधपुर। राजस्थान भाजपा की नई प्रदेश कार्यकारिणी में जोधपुर को एक भी स्थान नहीं मिला है, जो पार्टी संगठन के इतिहास में दुर्लभ घटना मानी जा रही है। गुरुवार को भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा के निर्देश पर प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने 34 सदस्यीय नई कार्यकारिणी की घोषणा की, लेकिन सूर्यनगरी जोधपुर के लिए यह निराशाजनक रही। पार्टी सूत्रों की मानें तो जोधपुर से पूर्व पार्षद सीमा माथुर और पूर्व मंत्री मोहन मेघवाल के पुत्र धुरेंद्र मेघवाल के नामों को शामिल करने को लेकर मंथन हुआ था, लेकिन विवाद के चलते अंतिम समय में सूची से दोनों नामों को हटा दिया गया।?

केंद्रीय मंत्री बनाम स्थानीय नेतृत्व की रस्साकशी

सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्रसिंह शेखावत ने सीमा माथुर के नाम की अनुशंसा की थी, जबकि स्थानीय संगठन और जिला स्तर के नेताओं ने धुरेंद्र मेघवाल के नाम को आगे बढ़ाया था। दोनों गुटों के बीच समझौता न होने पर प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने 'सेफ गेम' खेलते हुए दोनों नामों को ही बाहर कर दिया। यह फैसला जोधपुर की राजनीतिक ताकत पर सवाल खड़ा करता है, जहां भाजपा ने 2023 विधानसभा चुनाव में 10 में से 8 सीटें जीती थीं।

नौ माह का इंतजार और शीर्ष नेतृत्व का दबाव

फरवरी 2025 में सर्वसम्मति से दूसरी बार प्रदेशाध्यक्ष बने मदन राठौड़ के लिए कार्यकारिणी विस्तार चुनौतीपूर्ण रहा। सात विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में पार्टी ने पांच सीटें जीतीं, जिसमें देवली-उनियारा के साथ नागौर के खींवसर की सीट आरएलपी से छीनना बड़ी उपलब्धि थी। हालांकि, कार्यकारिणी विस्तार में नौ माह की देरी के पीछे कुछ नामों पर प्रदेश स्तरीय नेताओं की आपत्ति बताई जाती है। अंततः राष्ट्रीय नेतृत्व के दबाव में घोषणा करनी पड़ी।? नई कार्यकारिणी में 9 उपाध्यक्ष, 4 महामंत्री, 7 मंत्री, एक कोषाध्यक्ष, सह कोषाध्यक्ष, प्रकोष्ठ प्रभारी और 7 प्रवक्ता नियुक्त किए गए हैं। पिछली कार्यकारिणी में 10 उपाध्यक्ष थे, जिसे घटाकर 9 कर दिया गया।?

पूरे मारवाड़ को मिले सिर्फ चार पद

मारवाड़ की (जोधपुर संभाग की 33 और नागौर की 10) विधानसभा सीटों को मिलाकर कुल 43 में से भाजपा ने 27 सीटें जीती थीं, जो प्रदेश में सर्वाधिक थीं। ऐसे में संगठन में बेहतर प्रतिनिधित्व का हक भी स्वाभाविक था। लेकिन नई कार्यकारिणी में पूरे मारवाड़ को केवल चार पद ही मिले हैं और पहली बार जोधपुर पूरी तरह बाहर रहा।

ऐतिहासिक परंपरा टूटी

जोधपुर से राज्यसभा सांसद राजेंद्र गहलोत, पूर्व सांसद जसवंत सिंह विश्नोई, डॉ. सतीश पुनिया के कार्यकाल में प्रसन्न चंद मेहता और सीपी जोशी के समय नारायण पंचारिया प्रदेश कार्यकारिणी में रहे हैं। लेकिन इस बार यह परंपरा टूट गई, जो जोधपुर के राजनीतिक प्रभाव में कमी का संकेत है। स्थानीय भाजपा नेताओं में निराशा है, लेकिन स्थानीय नेता इस पर खुलकर कुछ भी बोलने से बचते नजर आ रहे हैं।

मंत्रिमंडल विस्तार में जोधपुर को तोहफे की उम्मीद

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि संगठन में उपेक्षा के बाद जोधपुर की निगाहें अब मंत्रिमंडल विस्तार पर टिकी हैं, जो दिसंबर 2025 में सरकार के दो वर्ष पूरे होने से पहले संभावित है। फिलहाल मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित 24 मंत्री हैं, जबकि छह पद खाली हैं। मंत्रिमंडल विस्तार में वसुंधरा राजे गुट को साधने के साथ-साथ मारवाड़, शेखावाटी, मेवाड़, पूर्वी राजस्थान और आदिवासी क्षेत्रों से नए चेहरों को स्थान मिल सकता है।? क्षेत्रीय-जातीय समीकरण के हिसाब से भी अधिक प्रतिनिधित्व की आंतरिक मांग भी जारी है। मुख्यमंत्री मंत्रियों के कामकाज की समीक्षा कर रहे हैं और विधायकों से फीडबैक ले रहे हैं, जिससे कुछ मंत्रियों की छुट्टी की अटकलें भी तेज हो गई हैं।?

जयपुर में हल्की बरसात, आज कई जिलों में चेतावनी

कल से घने कोहरे का अलर्ट, कोल्ड वेव से होगी दिसंबर की शुरुआत

जयपुर

राजस्थान में आज से मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा। बारिश के साथ घने कोहरे को लेकर भी मौसम विभाग ने अलर्ट जारी किया है। वहीं, दो दिन बाद दिसंबर की शुरुआत से कोल्ड वेव की भी आशंका जताई गई है। इस बीच जयपुर में शुक्रवार सुबह से घने बादल छाए हुए हैं और शहर के कई इलाकों में हल्की बरसात हो रही है। राजधानी के अलावा उदयपुर व अजमेर संभाग के जिलों में भी आज हल्की बारिश का अलर्ट है।

इससे पहले गुरुवार को पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव रहा। इससे दिन के तापमान में गिरावट हुई और रात के तापमान में बढ़ोतरी।

कल से घना कोहरा छाने की संभावना

मौसम केन्द्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- आज अजमेर, जयपुर, उदयपुर संभाग और उसके आसपास के क्षेत्रों में बादल छाए रह सकते है और कहीं-कहीं हल्की बारिश या बूंदाबांदी होने की संभावना है। शेष भागों में मौसम साफ रहने की संभावना है। वहीं, 29-30 नवंबर को राज्य के दक्षिणी में पूर्वी भागों में कहीं-कहीं मध्यम से घना कोहरा छा सकता है। इसको लेकर 6 जिलों में यलो अलर्ट भी जारी किया गया है।

सीकर-चूरू में यमुना का पानी लाने के लिए बैठकः

जल संसाधन मंत्री रावत बोले- टास्क फोर्स की निगरानी में डीपीआर बनाने का काम चल रहा

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। राजस्थान में यमुना का पानी लाने और यमुना जल का समुचित उपयोग करने के उद्देश्य से बनाई अपर यमुना रिव्यू कमेटी की 9वीं बैठक गुरुवार को नोएडा के यमुना भवन में हुई। इसमें राजस्थान से जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत और अतिरिक्त सचिव जल संसाधन भुवन भास्कर सहित अन्य अधिकारी शामिल हुए। बैठक में मंत्री रावत ने यमुना जल के डायवर्जन के लिए बनाए जा रहे तीन अपवर्तन (रिफ्लेक्शन) रेणुकाजी, लखवार और किशाऊ को राष्ट्रीय परियोजनाओं में शामिल करने की मांग रखी। साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्री से केंद्र सरकार के सहयोग से ओखला हैड से गुरुग्राम नहर प्रणाली के जीर्णोद्धार करवाने की मांग रखी। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल की अध्यक्षता में हुई बैठक में मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बताया- यमुना जल की यह परियोजना राज्य सरकार की प्राथमिकता में है। इससे सीकर, चूरू, झुंझुनूं सहित आसपास क्षेत्रों की जल सुरक्षा के लिए बेहद आवश्यक है। इसके लिए बनाई टास्क फोर्स की निगरानी में डीपीआर बनाने का काम चल रहा है।

राजस्थान की तीन परियोजनाओं को केंद्र सरकार दे वित्तीय सहायता

मंत्री सुरेश सिंह रावत ने बताया- हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखंड में यमुना एवं इसकी सहायक नदियों पर तीन परियोजनाएं "रेणुकाजी, लखवार और किशाऊ" का निर्माण किया जा रहा है। राजस्थान सरकार ने तीनों परियोजनाओं में अपनी हिस्सेदारी की राशि स्वीकृत कर दी है। लेकिन हमारी मांग है कि केंद्र सरकार इसे राष्ट्रीय परियोजनाओं का अभिन्न अंग मानकर वित्तीय सहायता प्रदान करें।फरवरी 2024 में यमुना जल के संबंध में एमओयू हुआ था। इसमें हरियाणा और राजस्थान सरकार ने संयुक्त टास्क फोर्स का गठन किया है।

WPL नीलामी में चमकी राजस्थान की बेटियां:

जयपुर की सुमन को P वॉरियर्स ने 10 लाख में खरीदा, झुंझुनूं की हैप्पी बनीं गुजरात टीम का हिस्सा

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) द्वारा आयोजित वुमेंस प्रीमियर लीग (WPL) ऑक्शन में राजस्थान की दो युवा खिलाड़ियों ने बड़ा मुकाम हासिल किया है। जयपुर की सुमन मीणा और झुंझुनूं की हैप्पी कुमारी को उत्तर प्रदेश वॉरियर्स और गुजरात टीम ने अपने स्क्वॉड में शामिल किया है। गुरुवार को हुई नीलामी प्रक्रिया में लंबे समय से राजस्थान महिला क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रहीं इन दोनों खिलाड़ियों को अपना पहला बड़ा मंच मिला है। WPL ऑक्शन में शामिल किए जाने के बाद दोनों पर कई टीमों की नजर थी। जयपुर की प्रतिभाशाली खिलाड़ी सुमन मीणा को P वॉरियर्स ने 10 लाख रुपए में खरीदा है। सुमन पिछले कई सीजन से राज्य की सबसे भरोसेमंद बैट्समैन में गिनी जाती हैं। घरेलू क्रिकेट में उनके लगातार प्रदर्शन ने उन्हें WPL ऑक्शन तक पहुंचाया।

हैप्पी कुमारी को गुजरात टीम ने बनाया हिस्सा

झुंझुनूं की युवा बल्लेबाज हैप्पी कुमारी को गुजरात टीम ने अपने स्क्वॉड का हिस्सा बनाया है। अपने आक्रामक अंदाज और लगातार ऑलराउंडर क्षमता ने उन्हें टीम मालिकों का पसंदीदा विकल्प बनाया है। दोनों खिलाड़ियों के सिलेक्शन से राजस्थान महिला क्रिकेट में उत्साह का माहौल है। राजस्थान के कोचों और क्रिकेट संघ से जुड़े पदाधिकारियों का कहना है कि यह सफलता राज्य की युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी। राजस्थान से उभरती महिला प्रतिभाओं के लिए WPL एक बड़ा प्लेटफॉर्म बनकर सामने आया है। सुमन और हैप्पी का सिलेक्शन इस बात का प्रमाण है कि राज्य की क्रिकेट प्रतिभा राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही हैं।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की पहली वर्षगांठ पर शपथ कार्यक्रम आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र। आशादीप सोसाइटी में महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की पहली वर्षगांठ पर एक शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मौजूद लोगों को महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र की भूमिका, घरेलू हिंसा से संबंधित प्रावधान, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 तथा हिन्दू विवाह अधिनियम 1955 के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम में महिला अधिकारिता विभाग की नीमराना ब्लॉक सुपरवाइजर मुनेश कुमारी यादव, विधिक परामर्शदाता काजल, सामाजिक परामर्शदाता सुषमा यादव, अंकुर, ब्रजमोहन, अनीता, रीना, रिंकू, रचना, सुरज, राजेश, रमेश, कमलेश सहित सोसाइटी के अन्य स्टाफ, सफाई कर्मी एवं निवासियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अंत में सभी उपस्थित लोगों को बाल विवाह रोकथाम एवं महिला सुरक्षा को लेकर शपथ दिलाई गई। शपथ में कहा गया कि बाल विवाह एक सामाजिक बुराई है, जो बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और विकास में बाधा है। इसलिए हम शपथ लेते हैं कि हम बाल विवाह के खिलाफ हर संभव प्रयास करेंगे और सुनिश्चित करेंगे कि हमारे परिवार, पड़ोस और समुदाय और समुदाय में किसी बालिका का बाल विवाह न होने पाए।

न्यू ईडन गर्ल्स कॉलेज में संविधान दिवस पर प्रश्नोत्तरी का आयोजन, छात्राओं ने लिया भाग

प्राचार्य ने संविधान प्रस्तावना का वाचन कराया, निदेशक ने अंधविश्वास से ऊपर उठकर शिक्षित समाज बनाने पर दिया जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

कस्बे के न्यू ईडन गर्ल्स कॉलेज में बुधवार को संविधान दिवस अत्यंत उत्साह के साथ मनाया गया। कॉलेज की प्राचार्य डॉ. अनीता ने बताया कि इस अवसर पर भारतीय संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया। सहायक आचार्य अजीत सिंह सैनी और विजय सिंह के नेतृत्व में संविधान और भारतीय राजनीतिक व्यवस्था पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। छात्राओं ने इस प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया और संविधान से संबंधित अपने ज्ञान का प्रदर्शन किया। सही उत्तर देने वाली सभी छात्राओं को इनाम के रूप में एक-एक पेन भेंट किए गए। संस्था निदेशक डॉ. अनिल गोदारा ने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि समाज को अंधविश्वास से ऊपर उठाकर विकसित, शिक्षित और जागरूक समाज बनाना ही संविधान निर्माता बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। इस अवसर पर कॉलेज स्टाफ सदस्य सुनीता सिंह, सुशीला, बाबूलाल, सोमवीर सिंह इत्यादि भी मौजूद रहें।

महिला सुरक्षा एवं जागरूकताः सिंघानिया विश्वविद्यालय में 'सुरक्षा सखियों' की बैठक संपन्न

थानाधिकारी बनवारीलाल ने पुलिस से बेहतर तालमेल और जागरूकता फैलाने के दिए निर्देश, उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

महिला सुरक्षा एवं जागरूकता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से गुरुवार को सिंघानिया विश्वविद्यालय पचेरी कलां में पुलिस थाना पचेरी कलां द्वारा जिले की सुरक्षा सखियों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक थानाधिकारी बनवारीलाल के नेतृत्व में जिला झुन्झुनू के सामाजिक कार्यकर्ता रवी कुमार शर्मा की मौजूदगी में संपन्न हुई। थानाधिकारी बनवारीलाल ने सुरक्षा सखियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में महिलाओं एवं बालिकाओं में स्वयं की सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित करने में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्हें सुरक्षित व सहयोगपूर्ण वातावरण उपलब्ध कराने में योगदान देने तथा आवश्यकतानुसार स्थानीय पुलिस से नियमित संवाद स्थापित करने को कहा गया। सुरक्षा सखियों को महिला अत्याचार से संबंधित विभिन्न कानूनों उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों साइबर अपराध साइबर फ्रॉड ऑनलाइन सुरक्षा उपायों और यातायात नियमों के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। यह भी निर्देशित किया गया कि वे क्षेत्र में घर-घर जाकर महिलाओं और बालिकाओं से व्यक्तिगत रूप से संपर्क स्थापित करें उन्हें आवश्यक कानूनी व सुरक्षा संबंधी जानकारी दें तथा समाज में सुरक्षा और जागरूकता का माहौल बनाने में सक्रिय रूप से योगदान दें। सुरक्षा सखियों को निर्देशित किया गया कि वे महिलाओं व बालिकाओं द्वारा बताई गई समस्याओं सुझावों और आवश्यकताओं को समयबद्ध रूप से स्थानीय पुलिस व संबंधित अधिकारियों को अवगत कराएं जिससे त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

विश्वविद्यालय ने किया सम्मानित

कार्यक्रम के अंत में सिंघानिया विश्वविद्यालय पचेरी कलां द्वारा सभी सुरक्षा सखियों को उनके उल्लेखनीय एवं सराहनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया जिससे उनके मनोबल में वृद्धि हुई।

पुलिस थाना पचेरी कलां स्टाफ

थानाधिकारी बनवारीलाल, पिंकी, (मकानि 489) राजेन्द्र, (कानि 1097) कृष्ण, (कानि 1356) एवं सिंघानिया विश्वविद्यालय स्टाफ में कैम्पस डारेक्टर पी.एस. जसलसिह, रजिस्ट्रार मोहम्मद ईमरान हाशमी, पीवीसी पवन त्रिपाठी ओएसडी संदीप ग्रोवर एवं प्रशासनिक अधिकारी विजेन्द्र समेत काफी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

2030 का कॉमनवेल्थ गेम्स अहमदाबाद में विश्व का स्वागत करने को तैयार भारत का नया युग

कांतिलाल मांडोत

कॉमनवेल्थ मूवमेंट के अगले सौ वर्षों की नींव 2030 के इस आयोजन से शुरू होगी। यह केवल खेलों का मंच नहीं, बल्कि एकता, मित्रता, सम्मान, शांति और प्रगति का वैश्विक संदेश है। दुनिया भर के खिलाड़ी, समुदाय और संस्कृतियाँ एक मंच पर आएंगी और यह आयोजन बताएगा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि संस्कृतियों को जोड़ने, समाजों को प्रेरित करने और मानवता को आगे बढ़ाने का माध्यम भी है। भारत, अपनी युवा ऊर्जा और वैश्विक दृष्टिकोण के साथ, इस आंदोलन को नई दिशा देने के लिए तैयार है।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी गुजरात की राजधानी अहमदाबाद को मिलना न केवल भारत के लिए गौरव का क्षण है, बल्कि विकसित भारत की दिशा में उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम भी है। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स जनरल असेंबली की बैठक के अंत में यह घोषणा आधिकारिक रूप से मुहरबंद हुई, और 26 नवम्बर 2025 को अंतिम सहमति बनने के साथ ही भारत ने विश्व खेल मंच पर एक नया मील का पत्थर स्थापित कर दिया। यह अवसर केवल खेलों का आयोजन नहीं है, बल्कि भारत की युवा ऊर्जा, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आधुनिक विकास मॉडल और वैश्विक नेतृत्व क्षमता का सामूहिक प्रदर्शन भी होगा।

अहमदाबाद, जिसे भारत के सबसे प्रगति?शील और योजनाबद्ध शहरों में गिना जाता है, अब विश्व खेल संस्कृति का केंद्र बनने जा रहा है। 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स, कॉमनवेल्थ मूवमेंट के 100 वर्ष पूरे होने का उत्सव भी होंगे। इस तरह यह आयोजन केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अगले सौ वर्षों की नींव रखने वाला ऐतिहासिक क्षण बन जाएगा। भारत के लिए यह जिम्मेदारी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह ऐसे समय में विश्व मंच पर उभर रही शक्ति के रूप में पहचान बना चुका है।आर्थिक शक्ति, सांस्कृतिक विरासत, तकनीकी नवाचार और खेल प्रतिभा आदि सबका संगम इस आयोजन में उजागर होगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 का अहमदाबाद में होना शहर और राज्य दोनों के विकास की कहानी को एक नई धार देगा। सबसे पहले, शहरी विकास को लेकर अहमदाबाद में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिलेंगे। आधुनिक खेल अधोसंरचना, विश्वस्तरीय स्टेडियम, अत्याधुनिक परिवहन सुविधाएँ, खिलाड़ियों और पर्यटकों के लिए विशेष आवास व्यवस्था, पर्यावरण-अनुकूल शहरी मॉडल और डिजिटल स्मार्ट व्यवस्थाएँ सब मिलकर अहमदाबाद को एक ग्लोबल स्पोर्ट्स सिटी में बदल देंगी। यह विकास केवल खेलों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शहर के रोजमर्रा के जीवन में स्थायी बदलाव लाएगा। नई सड़कें, नए कनेक्टिविटी कॉरिडोर, सुरक्षित ट्रैफिक सिस्टम, हरित क्षेत्र और शहरी

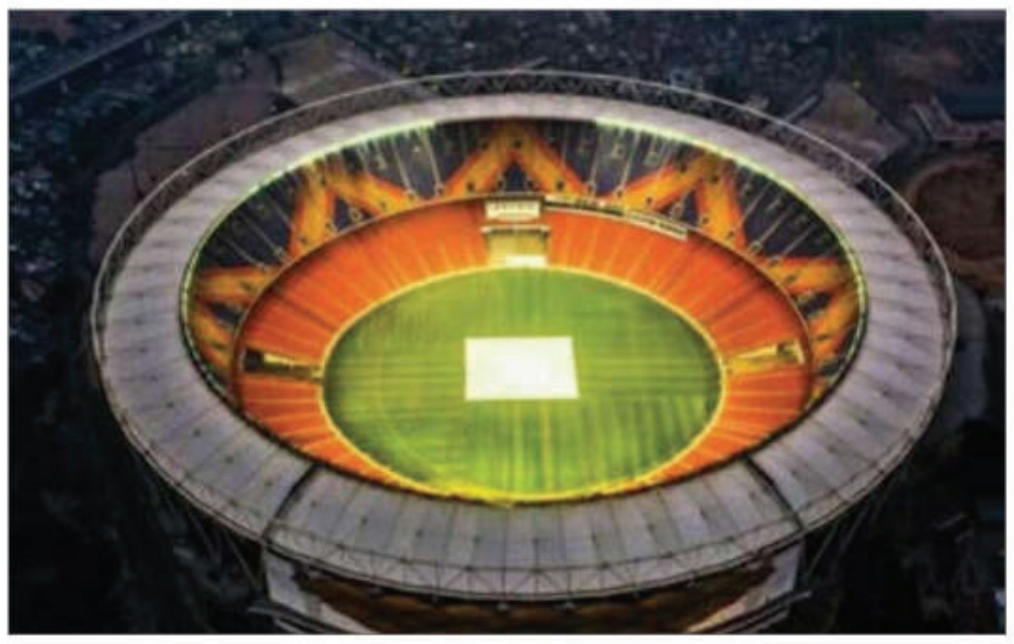

सौंदर्यीकरण की योजनाएँ शहर को अगले स्तर पर ले जाएँगी।

रोजगार के लिहाज से यह आयोजन युवाओं के लिए अवसरों की एक नई दुनिया खोलेगा। निर्माण क्षेत्र, होटल उद्योग, पर्यटन, परिवहन, तकनीकी सेवाएँ, सुरक्षा, स्वास्थ्य, मीडिया, इवेंट मैनेजमेंट और खेल प्रशिक्षण हर क्षेत्र में हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह आयोजन गुजरात के युवा कौशल और उद्यमिता को अंतरराष्ट्रीय मंच देगा, जिससे राज्य का आर्थिक परिदृश्य और मजबूत होगा। भारतीय खेल उद्योग, जो पहले से ही तेजी से उभर रहा है, इस आयोजन के माध्यम से और भी सशक्त होगा।

पर्यटन में वृद्धि कॉमनवेल्थ गेम्स का सबसे बड़ा प्रभावों में से एक होगा। दुनिया भर से लाखों पर्यटक, खिलाड़ी, अधिकारी, मीडिया प्रतिनिधि और खेल प्रेमी अहमदाबाद का रुख करेंगे। इसके साथ ही, गुजरात की समृद्ध सांस्कृतिक विरास जैसे साबरमती आश्रम, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, कच्छ रण, मोढेरा सूर्य मंदिर, दांडी, पाटन की रानी की वाव, द्वारका और सौराष्ट्र का तटीय सौंदर्य-वैश्विक स्तर पर नई पहचान पाएंगे। यह आयोजन केवल अहमदाबाद ही नहीं, पूरे गुजरात को विश्व पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख स्थान दिलाएगा। कला, हस्तशिल्प, स्थानीय व्यंजन, लोकनृत्य और सांस्कृतिक उत्सवों को भी इस अवसर पर वैश्विक मंच मिलेगा।

भारतीय संस्कृति और सभ्यता को प्रोत्साहन देने के लिए भी 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स ऐतिहासिक सिद्ध होंगे। भारत की अतिथि देवो भवकी परंपरा दुनिया के सामने बड़े पैमाने पर प्रदर्शित होगी। उद्घाटन और समापन समारोहों में भारत की समृद्ध विरासत, आधुनिक आकांक्षाएँ और विविधता की भावना का संगम दिखेगा। दुनिया भारत को केवल एक खेल राष्ट्र के रूप में नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, सभ्यता और मानवीय मूल्यों के केंद्र के रूप में देखेगी। कॉमनवेल्थ के 72 देशों की मित्रता, सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का उत्सव अहमदाबाद में साकार होगा।

केंद्र सरकार, राज्य सरकार और कॉमनवेल्थ गेम्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की सामूहिक भूमिका इस आयोजन की सफलता की कुंजी होगी। केंद्र सरकार का विकसित भारत 2047 का संकल्प वैश्विक आयोजनों के माध्यम से मजबूत हो रहा है। राज्य सरकार की सक्रियता और सुशासन मॉडल इस आयोजन के लिए आधार तैयार करेंगे, जबकि कॉमनवेल्थ गेम्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया खेल आयोजन की तकनीकी, संचालनात्मक और अंतरराष्ट्रीय मानकों की जिम्मेदारी निभाएगी। यह त्रिकोणिक समन्वय भारत की हासिल की जा चुकी प्रतिष्ठा और भविष्य की संभावनाओं को और विस्तृत करेगा।

कॉमनवेल्थ मूवमेंट के अगले सौ वर्षों की नींव 2030 के इस आयोजन से शुरू होगी। यह केवल खेलों का मंच नहीं, बल्कि एकता, मित्रता, सम्मान, शांति और प्रगति का वैश्विक संदेश है। दुनिया भर के खिलाड़ी, समुदाय और संस्कृतियाँ एक मंच पर आएंगी और यह आयोजन बताएगा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि संस्कृतियों को जोड़ने, समाजों को प्रेरित करने और मानवता को आगे बढ़ाने का माध्यम भी है। भारत, अपनी युवा ऊर्जा और वैश्विक दृष्टिकोण के साथ, इस आंदोलन को नई दिशा देने के लिए तैयार है।

2030 का अहमदाबाद ऊर्जा, महत्वाकांक्षा और जुनून से भरा शहर दिखाई देगा।दुनिया का स्वागत करेगा। यह आयोजन भारत के बढ़ते आत्मविश्वास और वैश्विक भूमिका को स्थापित करेगा। यह साबित करेगा कि भारत केवल भविष्य की शक्ति नहीं, बल्कि वर्तमान का नेतृत्वकर्ता देश भी है। गुजरात और भारत के लिए यह सदी का अवसर है।जहाँ अतीत की गौरवशाली परंपराएँ, वर्तमान की चुनौतियाँ और भविष्य के सुनहरे सपने एक साथ मिलकर नया इतिहास रचेंगे।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030, इसीलिए, केवल खेलों का आयोजन नहीं बल्कि Sbse के विकसित होने की कहानी का सबसे उज्ज्वल अध्याय बनने जा रहा है।

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

दिखावे की चकाचौंध और कर्ज़ का जाल बदलती जीवनशैली का मौन संकट

आज के दौर में प्रगति और आधुनिकता के नाम पर एक अजीब-सा सामाजिक दबाव हर वर्ग के व्यक्ति पर हावी होता जा रहा है। किसान हो, मजदूर हो, छोटा दुकानदार हो या कोई भी सामान्य व्यक्ति–हर कोई अपने वास्तविक आर्थिक स्तर को दरकिनार कर समाज में 'कुछ दिखने' की अनदेखी प्रतियोगिता में शामिल हो चुका है। घर में सोफा, एसी, फ्रिज, टीवी, मोटरसाइकिल–ये सब अब जीवन की प्राथमिक आवश्यकताओं के रूप में नहीं, बल्कि सामाजिक प्रतिष्ठा की अनिवार्य निशानी के रूप में देखे जाने लगे हैं। परिणाम यह हुआ है कि लोग अपनी आय, हैसियत और वास्तविक जरूरतों से बढ़कर खर्च करने को मजबूर हो रहे हैं। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

दिखावे की इस होड़ में आज आम आदमी सबसे आसान रास्ता चुनता है–कर्ज़ लेना। ईएमआई की सुविधा ने एक मध्यम या निम्न आय वाले परिवार को भी उच्च लागत वाली चीजें खरीदने में सक्षम तो कर दिया है, परंतु उसके साथ-साथ जिस आर्थिक दबाव को जन्म दिया है, उसका बोझ वर्ष-दर-वर्ष बढ़ता जा रहा है। यह कर्ज़ शुरुआत में आसान विकल्प लगता है, लेकिन जैसे-जैसे मासिक किस्तों का चक्र चलता है, वास्तविकता सामने आ जाती है। आय सीमित है, खर्च बढ़ते जा रहे हैं, और दिखावे का गर्त मनुष्य को धीरे-धीरे अंदर से खा जाता है। समस्या सिर्फ वस्तु खरीदने तक सीमित नहीं है, यह 'तुलना' और 'प्रतिस्पर्धा' पर टिकी एक मानसिकता का परिणाम है। गांवों में, कस्बों में और शहरों में–हर जगह लोगों के मन में यह सवाल लगातार घर कर चुका है कि 'दूसरों के घर क्या है, मेरे पास क्यों नहीं?' यह सामाजिक तुलना जैसे ही इंसान के मन में जड़ें जमाती है, वह अपनी वास्तविक जरूरतों को भूलकर सिर्फ दिखावे में खुद को झोंक देने लगता है। किसान के पास यदि मूलभूत कृषि साधन, अनाज रखने की व्यवस्था, पानी की व्यवस्था, गाय-भैंसों के लिए चारा और खुद के परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने का साधन भी नहीं है, फिर भी वह कर्ज़ उठाकर महंगे मोबाइल, बाइक या फर्नीचर खरीदता है तो यह आर्थिक विवेक नहीं, बल्कि सामाजिक दबाव का परिणाम है। मजदूर–जो रोज़ की मेहनत से पेट पालता है–वह भी आज एसी, महंगे फोन और किस्तों पर खरीदे गए वाहनों के बोझ में दबता जा रहा है।

समाज की यह बदली मानसिकता एक खतरनाक दिशा में ले जा रही है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि ये सुविधाएँ पहली नज़र में सुख देती हैं, लेकिन धीरे-धीरे तनाव, चिंता और जीवन की वास्तविक खुशियों को चूस लेती हैं। आय सीमित है, लेकिन खर्च बढ़ता जा रहा है–यह समीकरण जीवन की स्थिरता को तोड़ देता है। कर्ज़ की किस्तें समय पर देना कठिन हो जाता है। किस्तें छूटने पर ब्याज बढ़ता है, तनाव बढ़ता है, घर-परिवार में झगड़े बढ़ते हैं, रिश्तों में खटास आती है। धीरे-धीरे व्यक्ति मानसिक रूप से टूटने लगता है और उसे समझ ही नहीं आता कि वह किस चक्रव्यूह में फँस गया है। कर्ज़ का जाल ऐसा है, जिसमें एक बार फंसने के बाद बाहर निकलना मुश्किल हो जाता है।

ऐसी स्थिति में दो चीजें विशेष रूप से ध्यान देने योग्य हैं– पहली, वास्तविक आवश्यकता बनाम दिखावे की आवश्यकता का अंतर समझना। दूसरी, समाज के दबाव से मुक्त होकर जीवन जीने की कला सीखना। 'सादा जीवन-उच्च विचार' केवल कहावत भर नहीं है, बल्कि जीवन का सबसे सशक्त सिद्धांत है। जिसकी जरूरतें कम हैं, वही वास्तव में सबसे अधिक स्वतंत्र है। जरूरतें बढ़ते ही इंसान की स्वतंत्रता समाप्त हो जाती है, और वह कर्ज़, तुलना और दिखावे के बोझ तले दब जाता है। हमारे पूर्वजों ने हमेशा सादगी को गुण माना। कम में भी सुखी रहने की कला ही जीवन की असल समृद्धि है, लेकिन आज समाज में समृद्धि का पैमाना बदल चुका है। महंगी गाड़ी, शानदार घर, महंगे कपड़े और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण–इन्हें ही सफलता, प्रतिष्ठा और सम्मान का मानक बना दिया गया है। इसी भ्रम में लोग अपनी वास्तविकता भूल बैठे हैं। समाज में एक नया संवाद आवश्यक है–ऐसा संवाद जो लोगों को दिखावे से अधिक वास्तविक जीवन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित करे। यह जागरूकता जरूरी है कि महंगे साधन सुविधा देते हैं, परंतु सुख नहीं। सुख संतोष में है, और संतोष सादगी से मिलता है, प्रदर्शन से नहीं।

आज आवश्यकता है कि हर व्यक्ति आत्ममंथन करे– क्या मेरी खरीदी गई वस्तु मेरी वास्तविक आवश्यकता है या सामाजिक दबाव का परिणाम? * क्या मैं अपनी वर्तमान आय पर आधारित जीवन जी रहा हूँ या दूसरों जैसा दिखने की कोशिश कर रहा हूँ?

स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली मिलावट से कैसे मिले छुटकारा

सनत जैन

भारत जैसे विशाल और विविधताओं से परिपूर्ण देश में भोजन महज पोषण का स्रोत नहीं, बल्कि संस्कृति और परंपरा का आधार भी है। यहां खास तरह के खान-पान लोगों की पहचान भी होती हैं, जो कि आस्था से भी जुड़ जाते हैं। बावजूद इसके आज इस मजबूत आधार को लगातार नुक्सान पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। यह कहते हुए अफसोस होता है कि आज खाद्य पदार्थों में मिलावट एक गंभीर और भयावह महामारी का रूप ले चुकी है। दूध, मसाले, मिठाइयाँ, तेल और यहां तक कि रोजमर्रा के उपयोग में आने वाली सामान्य वस्तुएँ भी मिलावट से मुक्त नहीं रहीं। दुर्भाग्य की बात यह है कि अब भुना हुआ चना, जो सदियों से पौष्टिक और सस्ता स्नैक माना जाता रहा है भी इस जहरीले खेल का शिकार हो गया है। हाल ही में यह तथ्य सामने आया है, कि बाजार में बिकने वाले चमकीले पीले भुने हुए चनों में औरामाइन नामक घातक इंडस्ट्रियल केमिकल की मिलावट की जा रही है। यह खुलासा न केवल चौंकाने वाला है बल्कि हमारे खाद्य सुरक्षा ढांचे की कमजोरियों को भी उजागर करता है। दरअसल औरामाइन वह रसायन है जिसका प्रयोग कपड़ा, चमड़ा और कागज जैसे उद्योगों में किया जाता है, पर खाद्य पदार्थों में इसका उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की कैंसर रिसर्च एजेंसी (आईएआरसी) इसे संभावित कार्सिनोजन के रूप में वगीर्कृत कर चुकी है। लगातार सेवन करने पर यह लिवर, किडनी और ब्लैडर में कैंसर होने का खतरा कई गुना बढ़ा देता है, साथ ही नर्वस सिस्टम और अन्य अंगों पर भी गंभीर दुष्प्रभाव डालता है। यह स्थिति इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि मिलावट करने वाले इसका इस्तेमाल चने को आकर्षक दिखाने एवं मुनाफाखोरी के लिए कर रहे हैं। इसमें दो-राय नहीं कि चने का चमकीला रंग और कुरकुरेपन का अहसास उपभोक्ताओं को लुभाता है। वे नहीं जानते कि वो खाने के लिए क्या ले जा रहे हैं, अनजाने में जहर को खाद्य पदार्थ समझकर खुद भी खाते हैं और औरों को भी परोसते हैं। चने में हो रही मिलावट को सिद्ध करने के लिए सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिखाया गया है, कि गर्म पानी में चने डालते ही पानी पूरी तरह पीला हो जाता है। इस दावे में यदि थोड़ी भी सच्चाई है तो यह वाकई बहुत ज्यादा चिंता की बात है, क्योंकि भुने चने का सेवन सभी वर्ग के अधिकांश लोग करते हैं। इस संबंध में राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुवेर्दी द्वारा स्वास्थ्य मंत्री और खाद्य प्रसंस्करण मंत्री को लिखी गई चि ी इस समस्या की गंभीरता को रेखांकित करती है। उन्होंने राष्ट्रीय हेल्थ अलर्ट जारी करने, व्यापक जांच अभियान चलाने और दोषियों को कठोर दंड देने की मांग भी की है।

यहां यह समझ लिया जाना चाहिए कि यह मिलावट केवल फूड सेफ्टी एक्ट का उल्लंघन नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। ऐसे अपराध को किसी भी स्थिति में क्षम्य नहीं ठहराया जा सकता है। ऐसे में सवाल यही उठता है कि मिलावट रुपी इस समस्या की जड़ कहाँ है, और इससे छुटकारा कैसे मिलेगा? दरअसल पहले तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि खाद्य सुरक्षा केवल सरकार या किसी एजेंसी विशेष की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति व समूह का दायित्व है। जहां तक सरकार और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी की बात है तो इसके लिए उन्हें ज्यादा सजग होने की आवश्यकता है। सरकार के साथ ही एफएसएसएआई और राज्य स्तरीय खाद्य सुरक्षा विभागों को अचानक निरीक्षण, नमूना परीक्षण और दोषियों पर त्वरित कानूनी कार्रवाई को और अधिक सख्ती से लागू करना होगा। यह भी सच है कि आज भी देश में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की कमी है, जिससे बड़े पैमाने पर निगरानी करना कठिन हो जाता है। इस दिशा में संसाधनों और जनशक्ति में वृद्धि अत्यावश्यक है। इसमें उपभोक्ताओं की जागरूकता सबसे बड़ा हथियार है। लोगों को यह समझना होगा कि अत्याधिक चमकीले रंग, तेज गंध या असामान्य रूप रूपांतर रखने वाले खाद्य पदार्थों से सतर्क रहें। इसके अलावा हमें शिकायत प्रणाली को मजबूत और सरल बनाना होगा। हर नागरिक को यह अधिकार और आत्मविश्वास होना चाहिए कि वह संदिग्ध खाद्य पदार्थों की शिकायत एफएसएसएआई, स्थानीय प्रशासन या उपभोक्ता फोरम में दर्ज करा सके। मिलावटखोरी के खिलाफ लड़ाई केवल कानून और दंड से नहीं जीती जा सकती है, बल्कि मिलावट रुपी राक्षस को नैतिकता और जिम्मेदारी के दम पर हराया जा सकता है। जब तक समाज में ईमानदारी और उपभोक्ता स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता विकसित नहीं होगी, तब तक कोई भी कानून पूर्ण प्रभावी सिद्ध नहीं हो सकेगा। अब वाकई वह समय आ गया है, जबकि मिलावट को सामान्य मानने की प्रवृत्ति से बाहर निकलना होगा। भोजन में जहर की अनुमति नहीं दी जा सकती, न बाजार में, न नीतियों में और न ही हमारी उदासीनता में। मानव स्वास्थ्य के साथ किया जाने वाला यह खिलवाड़ का खेल अब बंद होना ही चाहिए।

भारत-कनाडा के रिश्तों में नई गर्माहट बड़े बदलाव का संकेत

ललित गर्ग

भारत और कनाडा के रिश्तों पर पड़ी बर्फ धीरे-धीरे पिघल रही है और दोनों देशों के बीच एक नए विश्वास, सहयोग और साझेदारी का वातावरण आकार ले रहा है। वैश्विक राजनीति के बदलते स्वरूप, व्यापारिक हितों और तकनीकी साझेदारियों की बढ़ती जरूरतों ने दोनों देशों को पुनः संवाद और सहयोग की राह पर लौटने के लिए प्रेरित किया है। जून से शुरू हुआ यह सकारात्मक बदलाव अब व्यापक रूप में दिखाई देने लगा है, जिसका संकेत हाल ही में की गई द्विपक्षीय बैठकों, उच्चस्तरीय संपर्कों और आर्थिक सहयोग की घोषणाओं में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। भारत के केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक ले जाने के लक्ष्य एवं कनाड़ा द्वारा अब नागरिकता के बंद दरवाजे खोलने की घोषणा इस परिवर्तन की गहराई और व्यापकता को रेखांकित करती है। यह लक्ष्य केवल व्यापार बढ़ाने का संकल्प मात्र नहीं है बल्कि यह उस नये दौर की प्रतीकात्मक दस्तक है जिसकी ओर दोनों देश बढ़ रहे हैं और इससे दोनों देशों को फायदा होगा।

पिछले कुछ समय में भारत और कनाडा के रिश्तों में जिस तरह तनाव और अविश्वास ने जगह बनाई थी, वह दोनों देशों के लंबे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और जन-आधारित संबंधों के विपरीत था। खालिस्तान मुद्दे पर कनाडा में बढ़ती गतिविधियों, राजनीतिक आरोपों-प्रत्यारोपों और न्यायिक प्रक्रियाओं ने दोनों देशों के रिश्तों में गहरी खटास पैदा की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बीच दूरी सार्वजनिक रूप से दिखाई देती थी और कूटनीतिक संवाद लगभग ठहर-सा गया था। जस्टिन ट्रूडो ने राजनीतिक दबाव एवं स्वार्थ के चलते भारत से ऐतिहासिक संबंधों को धुंधलाया, जिसका खामियाजा उन्होंने भुगता भी है। लेकिन अब नई सरकार के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने नये जोश, आत्मीयता एवं संवेदनाओं के साथ भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। बदलती वैश्विक परिस्थितियों, व्यापारिक अवसरों के विस्तार और नई आर्थिक-रणनीतिक जरूरतों ने दोनों पक्षों को यह अहसास कराया कि रिश्तों का ठहराव किसी भी तरह से फायदेमंद नहीं है। इसी समझ ने दोनों देशों को संवाद के नये पुल बनाने और पुराने अवरोधों को पीछे छोड़ने की दिशा में आगे बढ़ाया।

नरेंद्र मोदी और मार्क कार्नी की जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई मुलाकात इस बदलाव का एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुई। यह मुलाकात भले ही मुख्य सत्रों के इतर हुई, लेकिन उसका संदेश अत्यंत गहरा और दूरगामी था। यहां दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश और टेक्नोलॉजी इनोवेशन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। भारत और कनाड़ा के पास डिफेंस, स्पेस, क्रिटिकल मिनरल्स, एनर्जी और एजुकेशन समस्त कई क्षेत्रों में सहयोग एवं सहमति बढ़ाने के मौके हैं। यह सहमति केवल औपचारिकता नहीं बल्कि रिश्तों को एक नए मोड़ पर लाने का संकेत थी। कनाडा एक उभरती हुई टेक्नोलॉजी शक्ति है और भारत विश्व की सबसे बड़ी तकनीकी प्रतिभा का केंद्र बन चुका है। ऐसे में दोनों देशों के बीच टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, स्टार्टअप्स, ऊर्जा और शिक्षा के क्षेत्र में अपार संभावनाएँ हैं जिनकी दिशा अब खोली जा रही है। वैसे भी भारत के स्टूडेंट्स के लिये अब भी कनाड़ा सबसे पसंदीदा जगहों में एक हैं। कनाडा अपने नागरिकता कानून में भी बदलाव करने जा रहा है, उससे भी भारतीयों को फायदा होने की व्यापक संभावनाएं है।

पीयूष गोयल के वक्तव्य में दिखती आर्थिक साझेदारी की दृष्टि इस बात का परिचायक है कि भारत और कनाडा अब केवल राजनीतिक संवाद से आगे बढ़कर व्यावहारिक सहयोग के नए आधार बना रहे हैं। 50 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य बेहद महत्वाकांक्षी है, लेकिन यह उन आर्थिक संभावनाओं का वास्तविक अनुमान भी है जो दोनों देशों की नीतियों, संसाधनों और क्षमताओं में मौजूद है। भारत कनाडा के लिए एक विशाल बाजार है और कनाडा भारत के लिए एक महत्वपूर्ण ऊर्जा, खनिज, कृषि और तकनीकी साझेदार। इसी परस्पर निर्भरता और जरूरत ने दोनों देशों को फिर से एक-दूसरे की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। अब जरूरी है कि विभिन्न स्तरों पर बातचीत जारी रखते हुए जल्द समझौते तक पहुंचा जाये।

हाल के वर्षों में दुनिया बहुध्रूवीय स्वरूप की ओर बढ़ रही है। अमेरिका, यूरोप, चीन, रूस और पि म एशिया जैसे शक्ति केंद्रों के बीच उभर रही नई अनि ताओं ने मध्यम और उभरती शक्तियों को नए साझेदार तलाशने के लिए विवश किया है। भारत और कनाडा इस वैश्विक संरचना में ऐसे दो देश हैं जिनके पास जनसांख्यिकीय शक्ति, आर्थिक संसाधन, शिक्षा-तकनीक की क्षमता और लोकतांत्रिक मूल्यों का साझा आधार मौजूद है। ऐसे में इन दोनों का साथ आना न केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिए आवश्यक है बल्कि एक नई वैश्विक संरचना के निर्माण में भी उपयोगी हो सकता है। यह संरचना सहयोग, नवाचार, जलवायु न्याय, हरित तकनीकों और स्थायी विकास पर आधारित हो सकती है। कनाडा में भारतीय मूल की बड़ी आबादी दोनों देशों के रिश्तों को मानवीय और सामाजिक आधार भी देती है। जब भी रिश्तों में तनाव आया, प्रवासी भारतीय समुदाय उसके बीच पुल की तरह खड़ा दिखाई दिया है। यही समुदाय आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं व्यावसायिक रिश्तों को नई दिशा देने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। यह समुदाय न केवल कनाडा के आर्थिक विकास का हिस्सा है बल्कि भारत-कनाडा संबंधों की गहरी कड़ी भी है। यही कारण है कि दोनों सरकारों ने इस सामाजिक संबंध को और मजबूत करने का प्रयास शुरू किया है जिससे गलतफहमियाँ कम हों, लोगों के बीच भरोसा बढ़े और राजनीतिक विवादों का असर द्विपक्षीय रिश्तों पर सीमित रहे।

वर्तमान दौर में भारत की वैश्विक छवि एक निर्णायक, प्रभावशाली और विश्व-हितैषी शक्ति के रूप में उभर रही है। प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीतिक शैली, वैश्विक मंचों पर सक्रियता और विकास-शांति आधारित विदेश नीति ने भारत की स्थिति को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। दूसरी ओर कनाडा भी एक स्थिर लोकतंत्र और बहुसांस्कृतिक देश के रूप में वैश्विक स्तर पर अपनी भूमिका को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। दोनों देशों की यह समान सोच और नई वैश्विक चुनौतियों के प्रति साझा दृष्टिकोण अब आपसी सहयोग के लिए अधिक अनुकूल अवसर पैदा कर रहा है। समीक्षा के इस चरण में यह स्पष्ट है कि भारत-कनाडा संबंधों में आया यह सकारात्मक मोड़ केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं बल्कि गहरे आर्थिक, सामाजिक और रणनीतिक हितों पर आधारित है। मार्क कार्नी सरकार को भी यह समझ आ रही है कि भारत जैसे मजबूत साझेदार से दूरी कनाडा की आर्थिक और वैश्विक भूमिका के लिए सही नहीं। वहीं भारत भी उन देशों के साथ संबंधों का विस्तार चाहता है जो तकनीक, शिक्षा, कृषि, ऊर्जा और नवाचार के क्षेत्रों में मूल्यवान साझेदारी दे सकते हैं। यही वजह है कि दोनों देश अब नयी समझ विकसित करते हुए एक ऐसे दौर की ओर बढ़ रहे हैं जिसमें संवाद, सहयोग और परस्पर सम्मान केंद्रीय भूमिका निभाएंगे।

अंततः यह कहा जा सकता है कि भारत और कनाडा के रिश्तों में शुरू हुई यह नई गर्माहट एक बड़े बदलाव का संकेत है। यह बदलाव न केवल आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देगा बल्कि वैश्विक शांति, नई तकनीक, हरित विकास और सामाजिक सौहार्द की दिशा में भी नई संभावनाएँ खोलेगा। दोनों देश यदि इसी सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ते रहे तो यह केवल द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती नहीं देगा, बल्कि एक नई विश्व संरचना के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

फूड पॉइजनिंग के अब तक 26 रोगीयों की डिस्चार्ज किया, शादी समारोह में हुए थे बीमार 41 रोगीयों को बीडीके अस्पताल में सेवाएं प्रदान की गई

प्रारंभिक तौर पर लेक्टोज फर्मेंटिंग बैक्टीरिया की वृद्धि आई है जिस पर सामान्य एंटीबायोटिक दवाएं असरदार नहीं है

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

जिले के सबसे बड़े राजकीय बीडीके अस्पताल झुंझुनूं में फूड पॉइजनिंग से ग्रसित रोगीयों को उपचार के उपरांत छुट्टी प्रदान की गई। निजी होटल में हुए शादी समारोह में सैंकड़ों की संख्या में आमजन को उल्टी-दस्त, पेट दर्द की शिकायते हुई। जिन्हें सरकारी एवं निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया था। पीएमओ एवं वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ जितेन्द्र भाम्बू ने बताया कि फूड पॉइजनिंग से ग्रसित होकर आए रोगीयों का निरंतर उपचार किया जा रहा है। रोगीयों में मुख्यतः डिहाइड्रेशन के लक्षण मिले थे।

क्यों होता है फूड पॉइजनिंग

पीएमओ डॉ जितेन्द्र भाम्बू ने बताया कि आमतौर खाद्य पदार्थों में किसी भी प्रकार से जीवाणुओं की संख्या में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हो जाती है। जिससे मानव शरीर सामान्य तौर पर सामान्य प्रतिरोधक क्षमता से लड़ने में असमर्थ होता है।

कौनसे जीवाणु फूड पॉइजनिंग करते हैं

बैक्टीरिया-ई.कोली, सालमोनैला, बैसिलस, कोलेरा, कैम्पाईलोबैक्टर, वायरस -रोटा,एस्ट्रो, मुख्यतः खाने में पूर्व निर्मित टॉक्सिन तुरंत लक्षण उत्पन्न करते हैं। जो एकसाथ कई लोगों को बिमार कर सकते हैं। फ़ूड पाइजनिंग के कारक -दुग्ध उत्पाद -समुद्र तटिय इलाकों में मांस, मछली,

अंडे रहते हैं ?। दुध एवं दूध से निर्मित खाद्य पदार्थ मुख्यतः पूर्णतः पाश्चूराईज नहीं होने एवं बैक्टीरिया की वृद्धि के लिए अच्छा मिडिया बनने से तीव्र वृद्धि करते हैं। दुग्ध जनित खाद्य पदार्थों का सही तरीके से उचित तापमान पर गर्म करने पाश्चुराइज्ड कर ही संग्रहित किया जाए। दुग्ध से बनने वाले उत्पाद-पनीर, दही, छाछ, मावा, आइसक्रीम का प्रयोग शादी समारोह में अधिकता से किया जाता है। बैक्टीरिया की वृद्धि उक्त दुग्ध जनित खाद्य पदार्थों के रंग,स्वाद,गंध में अप्रत्याशित बदलाव लाती है। जिसकी शंका होने पर सैम्पलिंग कर जांच करवायी जा सकतीं हैं। इसी के साथ दुग्ध जनित खाद्य पदार्थों में विभिन्न प्रकार की मिलावट इस समस्या को और बढ़ावा दे सकती है। अत्यधिक मात्रा में बनने वाले खाने की परिवारजनों द्वारा खाने से पूर्व जांच करवाकर फूड पॉइजनिंग से बचा जा सकता है।

फूड पाइजनिंग के लक्षण

फूड पाइजनिंग के लक्षण जी मिचलाना, उल्टी जैसा होना, उल्टी, दस्त, पेट दर्द, बुखार, दस्त में खून आना, पीला पड़ना, अर्दनिद्रा में जाना, बेहोशी आना आदि दिखाई देते हैं।

उपचार-

फिजिशियन डॉ उमेश चाहर ने बताया कि सामान्यतः टाक्सिन उल्टी के द्वारा मुख से अथवा दस्त के द्वारा शरीर से बाहर आता है। इसके साथ शरीर से अनेको स्राव होने से शरीर में पानी की कमीं होने लगती है। जो हृदय,लीवर,किडनी, मस्तिष्क जैसे अंगों पर आक्सीजन आपूर्ति प्रभावित करती है। अतः निर्जलीकरण की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से सही करना आवश्यक होता है। नींबू पानी, नारियल पानी का थोड़ा-थोड़ा बार-बार सेवन करना चाहिए ?।

-ओआरएस का प्रयोग -आराम

-चिकित्सक से परामर्श, फूड पाइजनिंग में मुख्यतः सहयोगात्मक एवं लक्षणात्मक उपचार से अधिकांश रोगीयों को बचाया जा सकता है। 90 प्रतिशत रोगीयों को रोग प्रतिरोधक क्षमता के अनुसार घरेलू उपचार, ओपीडी उपचार से स्वस्थ किया जा सकता है। 10 प्रतिशत रोगीयों को लक्षणों में वृद्धि होने पर भर्ती की आवश्यकता पड़ सकती है। लैब प्रभारी डॉ सपना झाझडिया ने बताया कि सैम्पलिंग में प्रारंभिक तौर पर लेक्टोज फर्मेंटिंग बैक्टीरिया की वृद्धि आ रही है। जिसका सत्यापन पूर्ण वृद्धि के बाद ही हो सकेंगा। जिस पर सामान्य एंटीबायोटिक दवाएं असरदार नहीं है।

दुग्ध जनित खाद्य पदार्थों से फूड पॉइजनिंग से बचाव

दुग्ध एवं दुग्ध जनित खाद्य पदार्थों यथा पनीर,मावा,दही,छाछ, आईसक्रीम की शुद्धता की जांच समय-समय पर अवश्य करवाएं। -खाद्य पदार्थ बनाने वाले हलवाई एवं परोसने वाले व्यक्ति साफ-सफाई,हैंड हाईजीन,मक्खी एवं कीट-पतंगों का विशेष ध्यान रखें। संदिग्ध दुग्ध जनित खाद्य पदार्थों की सूचना चिकित्सा विभाग को देवे ताकि सैम्पलिंग कर जांच उपरांत दूषित सामग्री को नष्ट किया जा सके। समूह में एक-साथ उल्टी-दस्त, पेट दर्द,जी मिचलाना जैसे लक्षण आने पर अविलंब नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र एवं आपातकालीन सेवा केन्द्र पर सूचना देवें एवं परामर्श लेवें। दुग्ध जनित खाद्य पदार्थों के रंग में बदलाव, दही एवं छाछ की गंध में खट्टापन आना, पनीर में फैलाव आना,रंग में बदलाव आना,मावा में रंग,गंध में बदलाव आना जीवाणुओं की अप्रत्याशित बढ़ोतरी का आरंभिक संकेत है ?। जिसे जांच उपरांत टाला जा सकता है। बिना पाश्चुराइज्ड किए दुग्ध जनित खाद्य पदार्थों के सेवन से परहेज़ करें।

यदुवंशी सोहली के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय कला प्रतियोगिता 'रंगोत्सव' में जीते कई पुरस्कार

यशस्वी और अनिति ने राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा और तीसरा स्थान किया हासिल, 45 बच्चों को मिला गोल्ड मेडल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पचेरी।

मां लोढ़ी देवी यदुवंशी शिक्षा निकेतन, सोहली के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित कला प्रतियोगिता 'रंगोत्सव' में शानदार प्रदर्शन किया। विद्यालय की नर्सरी से लेकर 12वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया और आकर्षक कलाकृतियां बनाईं।

विद्यालय को प्रतियोगिता में बड़ी सफलता मिली, जहाँ छठी कक्षा की यशस्वी ने राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान और प्रथम कक्षा की अनिति ने तीसरा स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि के साथ ही विद्यालय के विद्यार्थियों को सामूहिक रूप से 45 गोल्ड मेडल, 30 सिल्वर मेडल और 25 ब्रॉन्ज मेडल प्रदान किए गए। कला अध्यापक को राजा रवि वर्मा अवॉर्ड और उप प्राचार्य राकेश कुमार को लीडरशिप अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा, 7 सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए।

प्रतिभा उजागर करने पर जोर

संस्था के चेयरमैन राव बहादुर सिंह ने सभी पुरस्कार विजेता बच्चों को कैश प्राइज से सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में बच्चों को भाग लेते रहना चाहिए ताकि उनकी प्रतिभाएँ निखरें और वे अपनी क्षमता को उजागर कर सकें। प्राचार्य मोहिन्द्र कुमार ने बताया कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए हर प्रकार की प्रतियोगिताएं जरूरी हैं और सभी विद्यार्थियों को इनमें उत्साहपूर्वक भाग लेना चाहिए।

नव निर्वाचित कांग्रेस जिलाध्यक्षों का बीकानेर में भव्य स्वागत, संगठन की मजबूती पर संवाद शुरू

शहर अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल और देहात अध्यक्ष बिशनाराम सियाग ने कार्यकर्ताओं में भरा नया जोश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । नव निर्वाचित शहर जिलाध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल और देहात जिलाध्यक्ष बिशनाराम सियाग ने पदभार ग्रहण करने के बाद पहली बार बीकानेर पहुंचकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नया उत्साह भर दिया है। देहात कांग्रेस कार्यालय पहुंचने पर दोनों जिलाध्यक्षों का कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर जिले भर से पहुंचे कार्यकर्ताओं जनप्रतिनिधियों और पदाधिकारियों ने माला पहनाकर उनका स्वागत किया। दोनों जिलाध्यक्ष यहां जिले भर से आए कार्यकर्ताओं से सीधा संवाद कर रहे हैं। इस संवाद कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आगामी चुनौतियों के लिए संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूत बनाना है। प्रमुख एजेंडा में संगठन की मजबूती: कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पार्टी की नींव को मजबूत करने की रणनीति बनाना। चुनावी रणनीति: आगामी पंचायतीराज और नगर निकाय चुनावों को ध्यान में रखते हुए नए सिरे से रणनीति बनाने पर विचार-विमर्श करना।

वरिष्ठ नेताओं और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति

कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह के बीच इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में कई वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे। इनमें प्रमुख रूप से जिला प्रमुख मोडाराम मेघवाल पूर्व मंत्री वीरेन्द्र बेनीवाल पूर्व विधायक मंगलाराम गोदारा कांग्रेस नेता जियाउर रहमान आरिफ डॉ. राजेन्द्र मूंड रामनिवास गोदारा नोपाराम जाखड़ शिवलाल गोदारा अरूण व्यास गणपतराम सिगड़ अरविन्द मिड्ढा राहुल जादूसंगत और सुषमा मेघवाल शामिल थे। इसके अलावा सरपंच प्रतिनिधि रूपाराम मेघवाल (पूर्व सरपंच व पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष) कोलायत रूपाराम मेघवाल कोलायत प्रधान प्रतिनिधि सेठिया गंगापुर सरपंच प्रतिनिधि रेवत राम मुरली नोखागांव सिनियाला सरपंच सुखदेव गजरुपदेसर गीगासर सरपंच गोपाल राम कस्वा सरपंच अर्जुन राम मेघवाल राम कैलाश सरपंच गोसाई सर छोटा कांग्रेस नेता भीखाराम करेला ओमप्रकाश जनागल सहित पार्टी के कई पदाधिकारी जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नाबालिग से छेड़छाड़ व बहलाने के मामले में पुलिस की हीलाहवाली,3 दिन बाद भी कार्रवाई नहीं

पीड़िता की मां ने एसपी सिद्धांत जैन से माँगा हस्तक्षेप; महिला डेस्क की जांच अधिकारी पर दुर्व्यवहार का आरोप

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

विजय रंगा/ब्यूरो चीफ । टोहाना के राजनगर वार्ड नंबर 2 की एक नाबालिग लड़की से छेड़छाड़ और उसे बहला-फुसलाकर ले जाने के मामले में स्थानीय पुलिस पर कार्रवाई में हीलाहवाली का आरोप लगा है। नाबालिग बच्ची की मां ने बुधवार को एसपी सिद्धांत जैन (आईपीएस) के कार्यालय में शिकायत देकर तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है, क्योंकि तीन दिन बीत जाने के बाद भी आरोपी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

फोन पर अश्लील मैसेज, पिता पर सहयोग का आरोप

पीड़िता की मां, सुनैना, ने 25 नवंबर को एसपी कार्यालय में शिकायत दी कि पड़ोस में रहने वाला एक लड़का उसकी नाबालिग बेटी को फोन पर अश्लील मैसेज भेजता है। मां ने गंभीर आरोप लगाया कि लड़के का पिता भी उसके बेटे के इस अनैतिक कार्यकलापों में साथ देता है।शिकायत में बताया गया कि इससे पहले भी उक्त लड़का और उसका पिता उसकी लड़की को बरगला कर बरवाला ले गए थे, जिसकी शिकायत स्थानीय शहर पुलिस थाने को की गई थी।

महिला डेस्क की जांच अधिकारी पर दुर्व्यवहार का आरोप

शिकायतकर्ता सुनैना ने आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि स्थानीय पुलिस टोहाना शहर थाना की महिला डेस्क ने अब तक कोई कार्यवाही नहीं की है, जिससे 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान केवल कागजों तक ही सीमित दिखाई दे रहा है। सुनैना ने आरोप लगाया कि थाना शहर की महिला डेस्क की संबंधित जांच अधिकारी का व्यवहार भी काफी आपत्तिजनक कमेंट वाला रहा, जिस कारण तीन दिन बाद भी नाबालिग बच्ची से छेड़छाड़ के मामले पर कोई कार्यवाही अमल में नहीं लाई गई। शिकायतकर्ता ने यह भी बताया कि सीएम विंडो की उनकी शिकायत भी 48 घंटों से आई हुई है, जो उक्त महिला जांच अधिकारी की टेबल पर रखी है, परंतु इसके बावजूद आरोपियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

इंडिया प्राइड अवार्ड 2025 से सम्मानित हुए उद्योगपति भामाशाह समाजसेवी सुंदर मल सैनी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

शेखावाटी अंचल के जाने-माने समाजसेवी, भामाशाह व उद्योगपति नीमकाथाना निवासी सुंदर मल सैनी इंडिया प्राइड अवार्ड 2025 से सम्मानित हुए है। सैनी को यह अवार्ड दिल्ली में आयोजित गरिमामय समारोह में उद्योग, व्यापार, सेवा व परोपकार के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान व उत्कृष्ट कार्य के लिए मीडिया की ओर से आयोजित समारोह में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इंडिया प्राइड अवार्ड 2025 से सम्मानित किया। समूह की ओर से देश प्रदेश के अलग-अलग समूहों व ग्रुपों के कारोबारी,

उद्यमी, बिल्डर, रियल एस्टेट व समाजसेवा से जुड़ी शख्सियतों का इंडिया प्राइड अवार्ड 2025 के लिए चयनित होने वाली शख्सियतों को मंगलवार को दिल्ली में सम्मानित किया गया। उद्योगपति सुंदर मल सैनी के सम्मानित होने पर महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ के पदाधिकारी सदस्यों सहित उनके समर्थकों, शुभचिंतकों, सहयोगियों व पारिवारिक सदस्यों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है।

नारनौल के 200 बेड अस्पताल निर्माण ने पकड़ी गति, 100 बेड अपग्रेड होंगे- स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव का आभार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

चेयरमैन दिनेश जेलदार बोले- दो साल से अटका काम शुरू होना मंत्री की कार्यकुशलता का प्रमाण, 3.25 करोड़ का अतिरिक्त बजट जारी

मनोज बुलाण । महेंद्रगढ़ के 100 बेड वाले अस्पताल को अपग्रेड करने और नारनौल में दो साल से अटके 200 बेड के अस्पताल भवन निर्माण कार्य ने अब गति पकड़ ली है। मार्केट कमेटी के चेयरमैन दिनेश जेलदार ने इस कार्य को गति मिलने पर स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव का आभार व्यक्त किया। जेलदार ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं में लगातार बेहतर सुधार होना उनकी कार्यकुशलता को दर्शाता है। चेयरमैन दिनेश जेलदार ने बताया कि स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने नारनौल के नागरिक अस्पताल में दो साल से बंद पड़े 200 बेड के अस्पताल भवन का निर्माण कार्य पुन: शुरू करवाने के लिए टेंडर जारी करवाया है। उन्होंने कहा कि मंत्री के मजबूत नेतृत्व, दूरदृष्टि और जनता के प्रति संवेदनशीलता का ही परिणाम है कि उन्होंने नियमों से बाहर निकलकर जिले में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के प्रबंधन के लिए अपनी ऊर्जा लगाई है। जेलदार ने आगे बताया कि स्वास्थ्य मंत्री के प्रयासों के बाद सरकार ने परियोजना के बजट में 3.25 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वृद्धि को मंजूरी दी है। इसके साथ ही विभाग द्वारा नया टेंडर जारी कर दिया गया है, जिससे निर्माण कार्य के जल्द शुरू होने की उम्मीद मजबूत हुई है।

क्षेत्र के लिए बड़ी राहत

चेयरमैन दिनेश जेलदार ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह और स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह निर्णय क्षेत्र के लोगों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। वर्षों से रुका पड़ा यह अस्पताल भवन पूरा होने पर आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं से लैस होगा और आसपास के हजारों लोगों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराएगा। उन्होंने कहा कि इस परियोजना के पूर्ण होने पर क्षेत्र के स्वास्थ्य ढांचे को मजबूत आधार मिलेगा, आपातकालीन सेवाएं बेहतर होंगी और मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार सुलभ हो सकेगा। चेयरमैन ने इसे क्षेत्र के दीर्घकालिक स्वास्थ्य सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। साथ ही, उन्होंने जानकारी दी कि अटेली अस्पताल में पहले ही अल्ट्रासाउंड की सुविधा प्रारंभ हो चुकी है।

राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता में कैंब्रिज के विद्यार्थी ने लहराया परचम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

राष्ट्रीय स्तर पर 0755 ओपन इंडिया राइफल एंड पिस्टल प्रतियोगिता का भोपाल मे आयोजन हुआ जिसमें कैंब्रिज किड्स गार्डन पब्लिक स्कूल सिमनी के छात्र गौरव पुत्र विनोद कुमार निवासी ढाणी पिठोला ने 400 में से 380 अंक प्राप्त कर स्वर्ण पदक प्राप्त किया विद्यार्थी की इस महान उपलब्धि पर विद्यालय परिवार में खुशी का माहौल था इस अवसर पर विद्यालय प्रांगण में विद्यार्थी के लिए स्वागत व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया विद्यार्थी की इस उपलब्धि पर कैंब्रिज शिक्षा समूह के निदेशक रहीश यादव ने विद्यार्थी की इस महान उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने अपने उद्बोधन मैं कहा कि शिक्षा के साथ-साथ विद्यार्थी खेलों में भी अपना करियर बना सकते हैं

खेलों से ही विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास संभव है। उन्होंने स्वर्ण पदक प्राप्त विद्यार्थी के उज्जवल भविष्य की कामना की तथा बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ खेल व अन्य कौशलों में निखार लाने के लिए भी प्रेरित किया प्रधानाचार्य रविंद्र जांगिड़ ने बताया कि विद्यालय के छात्र गौरव ने राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त कर माता-पिता का ही नहीं अपने विद्यालय का भी नाम रोशन किया है उन्होंने स्वर्ण पदक विजेता छात्र गौरव को तथा उसके अभिभावकों को भी धन्यवाद ज्ञापित किया कैंब्रिज शिक्षा समूह के चेयरमैन हरिकृष्ण यादव ने भी स्वर्ण पदक विजेता छात्र गौरव को इस बड़ी उपलब्धि पर बधाई दी। विद्यार्थी के इस सम्मान समारोह में कैंब्रिज शिक्षा समिति के प्रधानाचार्य सुनील राव, प्रधानाचार्य राजेश यादव, काजल डुडेजा, विद्यानंद यादव व समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

टोहाना के मॉडल के.एम. स्कूल के विद्यार्थियों धमतान गुरुद्वारा साहिब का किया ऐतिहासिक दौरा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । मॉडल के. एम. स्कूल के विद्यार्थियों ने धमतान साहिब गुरुद्वारा का शैक्षिक भ्रमण किया। बच्चों ने सिखों के नौवें गुरु, श्री गुरु तेग बहादुर जी से जुड़े इस ऐतिहासिक स्थल के महत्व को समझा। छात्रों को गुरुद्वारे के शांत और पवित्र वातावरण का अनुभव हुआ। उन्होंने सेवा और मानवता के संदेश के बारे में जाना और सभी ने लंगर हॉल में भोजन ग्रहण किया। यह दौरा बच्चों के लिए धार्मिक सद्भाव और सांस्कृतिक विरासत की जानकारी से भरपूर रहा। हिंद की चादर' श्री गुरु तेग बहादुर जी को नमन धमतान साहिब में स्थित ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब में, नौवें सिख गुरु, श्री गुरु तेग बहादुर के त्याग, तपस्या और बलिदान को याद किया गया। इस पावन स्थल का विशेष महत्व है क्योंकि धर्म प्रचार यात्रा के दौरान गुरु साहिब यहां रुके थे और यहीं पर मुग़ल हाकिमों द्वारा उनकी पहली गिरफ्तारी हुई थी। गुरुद्वारा कमेटी ने बच्चों को गुरु जी के जीवन मूल्यों से जोड़ने के लिए कई कार्यक्रमों का आयोजन किया, जिसमें बच्चों ने गुरु जी को 'हिंद की चादर' कहकर नमन किया, जिन्होंने धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया। यह कार्यक्रम हमें उनके बलिदान और सहिष्णुता के संदेश को अपनाने की प्रेरणा देता है। गुरु तेग बहादुर को उनके 350वें शहीदी दिवस पर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर प्रिंसिपल रणधीर पूनियां, ए.एन. बहुगुणा, संदीप पूनिया, सतपाल नैन, अमन पूनिया, माईकल, धर्मवीर सिंह, तरसेम कुमार, पुष्पा देवी, नीति मेहता, सीमा सिगँला, विजय, मनजीत, अनिल, अशोक, रमन, जयभगवान, माफी, सुखदीप कौर, सुनीता, ज्योती, मोहित शर्मा, सुनील, जगबीर, रामपाल, पूनम, धीरज, साक्षी, दिव्या, मन्जू, पूजा, गुरवीर, अनु, कुसुम, रेखा, तरन, साहिल व अन्य सभी स्टॉफ सदस्य व बच्चे उपस्थित रहे।

संविधान दिवस पर दो जजों की दहेज-मुक्त शादी: एक प्रेरणादायक उदाहरण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । कोटपूतली-बहरोड़ जिला कलेक्टर कार्यालय में 26 नवंबर को संविधान दिवस के अवसर पर एक अनोखी और प्रेरणादायक शादी संपन्न हुई। जिले के बानसूर के गांव, गूंता शाहपुर निवासी हेमन्त मेहरा और हनुमानगढ़ निवासी करीना काला - दोनों न्यायिक अधिकारी - ने बिना दहेज, बिना फिजूलखर्ची और संविधान को साक्षी मानकर विवाह कर

समाज के सामने एक आदर्श प्रस्तुत किया। वर हेमन्त मेहरा, जो वर्तमान में चौथ का बरवाड़ा (सवाईमाधोपुर) में सिविल न्यायाधीश के पद पर कार्यरत हैं, और वधू करीना काला, जो प्रशिक्षु न्यायिक अधिकारी हैं, ने कहा कि वे न्यायिक सेवा में होने के कारण संविधान को सर्वोपरि मानते हैं। इसी सम्मान और आस्था को देखते हुए उन्होंने संविधान दिवस पर ही विवाह करने का निर्णय लिया। इस सादगीपूर्ण समारोह में दोनों परिवारों के साथ जिला कलेक्टर प्रियंका गोस्वामी और अतिरिक्त जिला कलेक्टर ओमप्रकाश सहारण मौजूद रहे। अधिकारियों ने नवदंपति को आशीर्वाद देकर उनके वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं।

एनएच-48 पर प्रदूषण का कहर: कचरा जलाने से जहरीला धुआँ, लोग परेशान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । शाहजहाँपुर कस्बे से गुजर रहे राष्ट्रीय राजमार्ग -48 पर इन दिनों प्रदूषण की समस्या गंभीर होती जा रही है। हाईवे के किनारे कचरे के ढेरों व कंपनियों के रासायनिक वेस्ट को जलाने से उठ रहा जहरीला धुआँ स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर भारी पड़ रहा है। हाईवे से सटे कई स्थानों–खास, खासकर टोल से पहले हाउसिंग बोर्ड की जमीन और गैर-मुमकिन नदी वाले इलाके–में रात के समय बाहरी क्षेत्रों और निजी कंपनियों का केमिकल युक्त कचरा डंप कर जलाया जा रहा है। इससे उठने वाली तीखी दुर्गंध और धुएँ के कारण लोगों को आँखों में जलन, सांस लेने में दिक्कत और स्वास्थ्य संबंधी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो जिम्मेदार विभागों की ओर से कोई कार्रवाई की गई है और न ही इस पर रोक लगाने के लिए कोई ठोस कदम उठाया गया है। लोगों का कहना है कि लगातार प्रदूषण बढ़ने से जहाँ इंसानों में बीमारी फैलने का खतरा है, वहीं आसपास के जीव-जंतुओं पर भी इसका प्रतिकूल असर पड़ रहा है। लोग प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि हाईवे किनारे कचरा डालने और जलाने पर तुरंत रोक लगाई जाए। साथ ही यहाँ गार्ड की तैनाती, सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए, ताकि वातावरण को प्रदूषण से बचाया जा सके।

टोहाना एसडीएम ने मौके पर ही किया समाधान शिविर में पहुंचे नागरिकों की समस्याओं का समाधान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि जनसमस्याओं के तत्परता से समाधान के लिए समाधान शिविर लगाए जा रहे। वीरवार को आयोजित समाधान शिविर में पहुंचे नागरिकों की समस्याओं को एसडीएम ने ध्यानपूर्वक सुना व तत्परता से निवारण करवाया। समाधान शिविर में सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहते हैं इसलिए समस्याओं का समाधान त्वरित किया जाता है। एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि समाधान शिविर में विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं का समाधान मौके पर ही किया जा रहा है। समाधान शिविर में परिवार पहचान पत्र, पुलिस विभाग, विकास एवं पंचायत, खाद्य आपूर्ति, स्वास्थ्य, जन स्वास्थ्य, सिंचाई, बिजली व अन्य विभागों से संबंधित शिकायतों का निराकरण किया जाता है। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों को किसी प्रकार की दिक्कत नहीं होनी चाहिए। संबंधित विभाग के अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान शिविर में मौके पर ही हो। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर के तहत लोगों की समस्याओं का निवारण करते हुए उनको राहत पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी शिकायतें इन समाधान शिविरों के माध्यम से निवारण करवाएं। प्रदेश सरकार के निर्देशों पर आयोजित हो रहे समाधान शिविरों में त्वरित समाधान होने से खुश लोग हरियाणा सरकार व प्रशासन की कार्यशैली की सराहना करते हुए सरकार व प्रशासन का आभार व्यक्त कर रहे हैं। शिविर में लोगों को उनकी समस्याओं का तुरंत प्रभाव से समाधान मिल रहा है।

ओबीसी आरक्षण के वर्गीकरण की मांग तेज: बीकानेर में आयोग अध्यक्ष को सौंपा 11 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा

मूल ओबीसी को पृथक आरक्षण देने की मांग; क्रीमी लेयर हटाने और कोटा 27% करने पर जोर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा आयोग के अध्यक्ष मदन लाल भाटी ने आज बीकानेर के जिला परिषद सभागार में जन सुनवाई की। इस दौरान भारतीय प्रजापती हीरोज ऑर्गेनाइजेशन, कुम्हार महासभा और भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रतिनिधियों ने आयोग को 11 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि कुछ बड़ी जातियों द्वारा जबरदस्ती आरक्षण प्राप्त करने से मूल ओबीसी समाज अपने अधिकारों और विकास से वंचित हो रहा है। संगठनों ने आयोग से ओबीसी का वर्गीकरण कर स्थानीय निकाय और पंचायती राज चुनाव में मूल ओबीसी को पृथक आरक्षण देने की मांग की। ज्ञापन में रखी गई मुख्य मांगों में केंद्र की तर्ज पर ओबीसी का आरक्षण कोटा 21' से बढ़ाकर 27' करना, क्रीमी लेयर को पूर्णतया हटाना अथवा इसकी आर्थिक सीमा बढ़ाना शामिल है। इसके अलावा, ओबीसी का वर्गीकरण तीन श्रेणियों (कृषक/पशुपालक, कामगार/शिल्पकार, घुमंतू) में करने, नौकरी में एससी-एसटी की तरह प्रमोशन देने, संसद और विधानसभा चुनाव में आरक्षण प्रदान करने तथा माटी कला एवं केश कला कौशल बोर्डों को संवैधानिक दर्जा देने की मांग की गई। साथ ही, ओबीसी की कामगार जातियों के लिए बाजार, कच्चे माल की उपलब्धता और कुम्हार समाज के लिए मिट्टी हेतु सरकारी भूमि आवंटन करने की मांग भी की गई।ज्ञापन सौंपने वालों में एडवोकेट अशोक प्रजापत, त्रिलोक चंद गेधर, किशन संवाल, सोहन लाल प्रजापत और जेठा राम जालप सहित अन्य पदाधिकारी शामिल थे।

महिला सुरक्षा टीम ने चिंदड स्कूल में छात्र-छात्राओं को महिला एवं साइबर अपराधों से किया जागरूक

महिला सुरक्षा टीम प्रभारी निरीक्षक मंजु सिंह ने विधार्थियों को दिये अपराध रोकने के टिप्स

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशानुसार फतेहाबाद पुलिस द्वारा 25 नवंबर से 10 दिसंबर 2025 तक चलाए जा रहे महिला सुरक्षा एवं साइबर सुरक्षा जागरूकता सेमिनार के तहत जिलेभर में लगातार जन-जागरण अभियान चलाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में महिला सुरक्षा टीम प्रभारी निरीक्षक मंजू सिंह के नेतृत्व में टीम ने चिंदड स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में छात्र-छात्राओं के लिए एक विशेष जागरूकता सत्र आयोजित किया, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया। सत्र के दौरान निरीक्षक मंजू सिंह ने विद्यार्थियों को महिला विरुद्ध अपराधों, जैसे–छेड़छाड़, उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, ऑनलाइन शोषण आदि के विभिन्न स्वरूपों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आज के समय में युवाओं, विशेषकर छात्राओं, को अपने अधिकारों और कानून में उपलब्ध सुरक्षा उपायों की पूरी जानकारी होनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को यह संदेश दिया कि किसी भी प्रकार की घटना को छुपाने के बजाय उसे तुरंत परिजनों, शिक्षकों या पुलिस को बताना ही सबसे सुरक्षित विकल्प है। इसके साथ ही टीम ने विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के बदलते स्वरूप जैसे–फर्जी प्रोफाइल बनाना, साइबर बुलिंग, ओटीपी धोखाधड़ी, ऑनलाइन गेमिंग के खतरे, फिशिंग लिंक, सोशल मीडिया हैकिंग आदि के बारे में विस्तार से अवगत कराया। टीम ने बताया कि डिजिटल दुनिया में छोटी-सी लापरवाही भी बड़े नुकसान का कारण बन सकती है, इसलिए इंटरनेट का उपयोग करते समय मजबूत पासवर्ड, गोपनीयता सेटिंग्स और सतर्कता बेहद जरूरी है। निरीक्षक मंजू सिंह ने यह भी कहा कि किसी भी संदिग्ध संदेश, कॉल या लिंक पर बिना सोचे-समझे क्लिक न करें और यदि कोई ऑनलाइन धमकी या शोषण का प्रयास हो तो तुरंत पुलिस की मदद लें। उन्होंने विद्यार्थियों को महिला हेल्पलाइन 1091, आपातकालीन नंबर 112, तथा साइबर शिकायत पोर्टल के बारे में भी जानकारी दी।कार्यक्रम के अंत में टीम ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सुरक्षित रहने के साथ-साथ दूसरों को भी जागरूक करना उनकी जिम्मेदारी है। इस अवसर पर स्कूल स्टाफ, अध्यापकगण तथा सैकड़ों छात्र-छात्राएँ मौजूद रहीं और सभी ने कार्यक्रम को अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।

सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज, बीकानेर में लैब टेक्नीशियन संघ चुनाव में विकास मोदी 25 वोटों से विजयी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । राजस्थान मेडिकल कॉलेज लेबोरेट्री टेक्नीशियन कर्मचारी संघ (चि.शि.) के सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज, बीकानेर, इकाई के अध्यक्ष पद के चुनाव में विकास मोदी ने 25 मतों के अंतर से शानदार जीत दर्ज की है। चुनाव परिणाम और जीत का अंतर 25 वोट का रहा है। विजेता विकास मोदी रहें।यह चुनाव प्रक्रिया प्रदेश अध्यक्ष बजरंग कुमार सोनी के नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। संगठन की प्रदेश कार्यकारिणी में पवन भाटी प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष और अजय किराडू प्रदेश कोषाध्यक्ष के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ संभाल रहे हैं। लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न हुए इस चुनाव के लिए कॉलेज प्रशासन द्वारा एक विशेष समिति का गठन किया गया था।

प्रदेशाध्यक्ष डॉ.विरेन्द्र क्यामसरिया ने 5 बीघा जमीन तेजाजी मन्दिर के लिए दान करने की घोषणा की

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

झुंझुनूं शहर के मान नगर में राष्ट्रीय जाट महासंघ के जिला संयोजक मनरूप सिंह माठ की अध्यक्षता में जाट समाज की बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. विरेन्द्र क्यामसरिया ने तेजाजी का भव्य मंदिर बनाने का प्रस्ताव रखते हुए क्यामसर गांव में क्यामसर पदमपुरा रोड़ पर 5 बीघा जमीन दान देने की घोषणा की गई। मौके पर मौजूद प्रदेश सचिव रामकुमार झाझड़िया, जिला संगठन महामंत्री कंवरपाल बलवदा एवं जिला प्रभारी कैप्टन कुलदीप मान ने प्रस्ताव का स्वागत किया। इसी समय महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष संतोष चौधरी, ब्लॉक अध्यक्ष सुभिता पूनियां, जिला प्रभारी संतोष तेतरवाल, जिला सलाहकार सुमन कटेवा, जिला उपाध्यक्ष शरबती कस्वां, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनिता आबूसरिया, जिला महासचिव रोबिना मान, ब्लॉक प्रभारी मुकेश देवी, सह सचिव पूजा मांजू, ब्लॉक संरक्षक ममता चौधरी, सलाहकार राजकमल रूहेल, प्रवक्ता प्रियंका जेजूसर, जिला सचिव विमला नूनियां ,जिला महासचिव रितू गढ़वाल , उपाध्यक्ष अनिला राहड़, महासचिव अनिता देवी, सचिव सुमन सोहू, उपाध्यक्ष शारदा देवी एवं सुनिता देवी सचिव ने तेजाजी के मन्दिर का निर्माण कार्य जल्द शुरू करने की मांग उठाई। कार्यक्रम में झुंझुनूं शहर युवा तेजा सेना ब्लॉक अध्यक्ष सुनिल भाम्बू, संयुक्त सचिव राहुल डुडी, चिड़ावा ब्लॉक अध्यक्ष विक्रम लाम्बा, सुल्ताना ब्लॉक अध्यक्ष विकास बलौदा, गुढ़ा ब्लॉक अध्यक्ष प्रवीण मूंड, महासचिव पंच राजेन्द्र लाम्बा, जिला उपाध्यक्ष विरेन्द्र कोठारी , जिला उपाध्यक्ष शिवप्रसाद चौधरी, बड़ाऊ ब्लॉक अध्यक्ष अनिल बगड़िया, चिड़ावा महासचिव जयसिंह बराला, ब्लॉक अध्यक्ष प्रदीप महला ने तेजाजी का भव्य मंदिर बनाने का संकल्प लिया।

पंचायत समिति पिलानी की बैठक में विकास योजनाओं को मंजूरी

अनुपस्थित अधिकारियों पर कार्रवाई का निर्णय

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

पंचायत समिति पिलानी की साधारण सभा की बैठक आज 27 नवंबर 2025 को प्रातः 11:15 बजे नगरपालिका पिलानी सभागार भवन में प्रधान बिरमा संदीप रायला की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में महात्मा गांधी नरेगा योजना वित्तीय वर्ष 2026-27 और पूरक ब्लॉक विकास कार्य योजना 2025-26 का अनुमोदन सर्वसम्मति से किया गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने पंचायत समिति पिलानी की ब्लॉक विकास कार्य योजना 2025 को भी सर्वसम्मति से अनुमोदित किया। बैठक का मुख्य मुद्दा विभागों के अनुपस्थित अधिकारी/कर्मचारी रहे। सदस्यों ने इस पर गहरी नाराजगी जाहिर करते हुए सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि अनुपस्थित अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई हेतु उच्चाधिकारियों को पत्र भेजा जाएगा। सदस्यों ने बताया कि अधिकारियों के मौजूद न होने के कारण बिजली, पानी, राजस्व और सार्वजनिक निर्माण विभाग जैसे महत्वपूर्ण विभागों से संबंधित मुद्दों का निस्तारण नहीं हो पाता है। बैठक में इन्ही विभागों से सम्बंधित मुद्दे छाये रहे। उपस्थित पंचायत समिति सदस्यों एवं प्रशासकों द्वारा अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं को सदन में उठाया गया। अंत में, विकास अधिकारी रोहिताश और प्रधान बिरमा देवी ने सौहाद्रपूर्ण ढंग से बैठक संपन्न होने पर उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया और धन्यवाद ज्ञापित किया।बैठक में प्रधान बिरमा देवी, उपप्रधान अंजू देवी, विकास अधिकारी रोहिताश, जिला परिषद सदस्य सुनीता धरतवाल, तथा पंचायत समिति सदस्यगण नरेश जांगिड़, मिश्री देवी, सुमन कंवर, सुनील पुनिया, रोहिताश मीणा, सुभाष योगी सहित प्रशासक नीलम हमीनपुर, सुमन बेरी, राजीव बनगोठड़ी, अनूप देवी, दलीप स्वामी, राजपाल धींधवा, विनोद काजी, सन्तोष कंवर, राजेश कस्वां, बच्चन सिंह लिखवा तथा विभागों के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी/कर्मचारी और पंचायत समिति स्टाफ के सदस्य उपस्थित रहें।

गौशाला उपचार केंद्र पर सहयोग कर मनाई पुण्यतिथि

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । स्व. रामनिवास खडोलिया की प्रथम पुण्य तिथि पर उनके सुपुत्र जगदीश प्रसाद, हरिराम, नन्द लाल, छोटे लाल ,भतीजे महेश कुमार, मनोहर लाल, सुरेन्द्र कुमार पुत्री मनभरी देवी पुत्रवधु झुमा देवी, धर्मा हरिराम, सुमन नन्द लाल, मंजू छोटे लाल व पौत्री यौगांसी द्वारा जख्मी घायल जीवो के उपचार केन्द्र श्रीकृष्ण गौशाला नवलगढ मे दलिया रिजका व केले खिलाकर पुण्य तिथि मनाई। इस अवसर पर गौ रक्षक भैरोंसिंह, नागर मल जी, केतन सैनी, केतन,दिव्याशं, कोमल,गौरांश, दिव्या,एक्सईएन वेद प्रकाश, एईएन नाजिम जांगिड़ अजय प्रकाश, नेमीचन्द, अनिल , बंशीधर, सुरेश कुमावत व अनेक गणमान्य मौजूद रहें।

कांग्रेस जिलाध्यक्षों का श्री डूंगरगढ़ में भव्य स्वागत, कार्यकर्ताओं में भरा नया जोश देहात अध्यक्ष बिशनाराम सियाग और शहर अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल का अभिनंदन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.श्री डूंगरगढ़।

बीकानेर कांग्रेस पार्टी के देहात अध्यक्ष के रूप में दूसरी बार नियुक्त हुए बिशनाराम सियाग का बीकानेर आगमन के दौरान गुरुवार को श्री डूंगरगढ़ में गर्मजोशी से स्वागत किया गया। इस अवसर पर उनके साथ बीकानेर शहर कांग्रेस के जिला अध्यक्ष और पूर्व आईपीएस अधिकारी मदन गोपाल मेघवाल भी मौजूद रहे, जिनका कार्यकर्ताओं ने भव्य अभिनंदन किया। स्वागत समारोह का केंद्र श्री डूंगरगढ़ रहा, जहाँ स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दोनों जिलाध्यक्षों का भव्य अभिनंदन किया। उन्हें मालाएं पहनाई गईं, साफा बाँधा गया और स्मृति चिन्ह (मेमेंटो) भेंट किए गए।दोनों अध्यक्षों को बधाई देने वालों में प्रमुख रूप से ब्रह्मप्रकाश भाटी (श्री डूंगरगढ़), अमराराम गांधी (सरपंच, ठुकरियासर), लालचंद नाई (पूर्व सरपंच) और लालचंद लूणा (पूर्व सरपंच, बेलासर) शामिल थे। इन नेताओं ने शॉल ओढ़ाकर दोनों अध्यक्षों का स्वागत किया और उन्हें उनकी नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएँ दीं। कार्यकर्ताओं ने उम्मीद जताई कि दोनों अध्यक्षों के मजबूत नेतृत्व में बीकानेर जिले में कांग्रेस संगठन को नई गति मिलेगी।

फतेहाबाद पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन ने चार उपनिरीक्षकों को निरीक्षक बनने पर दी हार्दिक शुभकामनाएँ

सब इंस्पेक्टर श्याम लाल, देवी लाल, राजबीर व बलराज तरक्की होकर बने इन्स्पेक्टर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । जिले के कानून और व्यवस्था के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले चार उपनिरीक्षकों को आज निरीक्षक पद पर पदोन्नति मिलने के उपलक्ष्य में पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस ने उन्हें हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। इस विशेष अवसर पर पुलिस अधीक्षक ने उनके समर्पण, परिश्रम और कार्यकुशलता की सराहना करते हुए उन्हें स्टार लगाकर सम्मानित किया। पुलिस अधीक्षक जैन ने इस अवसर पर कहा, 'यह पदोन्नति उनके अथक परिश्रम, ईमानदारी और पेशेवर कौशल का प्रतीक है। मुझे गर्व है कि हमारे जिले में ऐसे समर्पित और योग्य अधिकारी सेवा दे रहे हैं।' उन्होंने नव-निरीक्षकों को जिले की जनता की सुरक्षा और कानून व्यवस्था बनाए रखने में और भी उत्कृष्ट कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस खुशी के मौके पर सभी पदोन्नत अधिकारियों को मिठाई खिलाकर सम्मानित किया गया। यह अवसर न केवल पदोन्नति का जश्न था, बल्कि टीम भावना और कार्य में उत्साह को बढ़ावा देने वाला एक प्रेरणादायक पल भी साबित हुआ। वरिष्ठ अधिकारी, सहकर्मी और विभागीय कर्मचारी भी इस उत्सव में शामिल हुए और नव-निरीक्षकों को उनकी नई जिम्मेदारियों के लिए उत्साहपूर्वक शुभकामनाएँ दीं।

पिलानी रोड के बिजली के खंभों को डिवाइडर में स्थानांतरित करने की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

युवा नेता सुरेश भूकर ने आज जिला कलेक्टर अरुण गर्ग को एक ज्ञापन सौंपकर शहर की पिलानी रोड (कबूतरखाना से चौराहे तक) पर लगे बिजली के खंभों को तत्काल सड़क के मध्य डिवाइडर में स्थानांतरित करने की मांग की है। ज्ञापन में भूकर ने बताया कि वर्तमान में ये खंभे सड़क के दोनों किनारों पर लगे होने के कारण गंभीर समस्याएं उत्पन्न कर रहे हैं। इनके कारण सड़क अत्यधिक संकरी हो गई है, जिससे वाहनों का आवागमन कठिन हो रहा है और बार-बार जाम की स्थिति बन रही है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि खंभों की वजह से दुकानदारों के ग्राहकों को वाहन खड़े करने की जगह नहीं मिलती, जिससे व्यापार प्रभावित हो रहा है। इसके अतिरिक्त, आपातकालीन वाहनों (एम्बुलेंस, दमकल) को निकलने में भारी बाधा आ रही है, जो जान-माल के लिए खतरा है। बारिश में खंभों के पास पानी जमा होने से दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ जाती है। भूकर ने कलेक्टर से मांग की कि सड़क चौड़ी करने और जनता की परेशानी दूर करने के लिए बिजली विभाग को खंभे हटाने के निर्देश दिए जाएं। जिला कलेक्टर ने जल्द ही इस समस्या के समाधान का आश्वासन दिया है। इस दौरान, युवा उद्यमी दिनेश दाधीच भी भूकर के साथ मौजूद रहें।

स्थानीय निकायों एवं पंचायत राज संस्थाओं में राजनीतिक आरक्षण को लेकर बीकानेर में ओबीसी आयोग ने किया जनसंवाद

आयोग ने ओबीसी वर्ग को पर्याप्त राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने हेतु जनप्रतिनिधियों व सामाजिक संस्थाओं से लिया फीडबैक

ओबीसी वर्ग को उचित राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिलाने को लेकर आयोग सटीक रिपोर्ट प्रस्तुत करने हेतु प्रतिबद्ध- श्री मदन लाल भाटी, अध्यक्ष, ओबीसी आयोग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । स्थानीय निकायों एवं पंचायत राज संस्थाओं में राजनीतिक आरक्षण को लेकर राजस्थान राज्य अन्य पिछड़ा वर्ग (राजनीतिक प्रतिनिधित्व) आयोग ने गुरुवार को जिला परिषद सभागार में संभाग स्तरीय जनसंवाद एवं परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किया। राजस्थान ओबीसी आयोग की जनसंपर्क अधिकारी विक्रम राठौड़ ने बताया कि कार्यक्रम में आयोग के माननीय अध्यक्ष सेवानिवृत न्यायाधीश श्री मदन लाल भाटी एवं सदस्यों श्री गोपाल कृष्ण, प्रो. राजीव सक्सेना, श्री मोहन मोरवाल, श्री पवन मंडाविया व सचिव श्री अशोक कुमार जैन ने जनप्रतिनिधियों, विभिन्न सामाजिक संगठनों, नागरिक संस्थाओं से जनसंवाद किया। कार्यक्रम में कोलायत विधायक श्री अंशुमान सिंह भाटी, श्री डूंगरगढ़ विधायक श्री ताराचंद सारस्वत, चंपालाल गेदर, श्री श्याम पंचारिया, सुमन छाजेड़, अशोक प्रजापत समेत संभाग के चारों जिलों बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ व चूरू से आए जनप्रतिनिधि, सामाजिक व नागरिक संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। आयोग के अध्यक्ष सेवानिवृत न्यायाधीश मदन लाल भाटी ने कहा कि आयोग संभाग स्तर पर संवाद के माध्यम से अन्य पिछड़ा वर्ग को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने के लिए फीडबैक लेकर रिपोर्ट तैयार करेगा जिससे ओबीसी वर्ग के लोगों को स्थानीय निकायों एवं पंचायत राज संस्थाओं में पर्याप्त संख्या में राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिल सके।

जनसंवाद कार्यक्रम में ये आये सुझाव

जनसंवाद कार्यक्रम में संभाग के चारों जिलों बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू से आए जनप्रतिनिधियों, सामाजिक व नागरिक संगठनों के पदाधिकारियों ने सुझाव दिये। जनसंख्या के आधार पर ओबीसी का राजनीतिक प्रतिनिधित्व बढ़ाने का सुझाव सभी ने दिया। बहुत से जनप्रतिनिधियों ने ओबीसी वर्ग में भी मूल ओबीसी जातियों का संरक्षण करने हेतु पिछड़ा और अति पिछड़ा वर्ग बनाकर राजनीतिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने का सुझाव दिया। इसके अलावा राजनीतिक, शैक्षणिक, पिछड़ापन जिलेवार अलग-अलग होने के कारण राजनीतिक प्रतिनिधित्व भी जिलेवार अलग अलग तय करने का सुझाव भी आया।

''जल्द होगा ओबीसी वर्ग को लेकर विस्तृत सर्वे''

उन्होंने कहा कि आयोग द्वारा स्वतंत्र रूप से सर्वे भी कराया जाएगा जिसमें 19 बिंदुओं पर रिपोर्ट लेते हुए ओबीसी वर्ग का राजनीतिक, सामाजिक, शैक्षिक एवं आर्थिक पिछड़ेपन का पारदर्शिता से आकलन किया जा सके। उन्होंने बताया कि आयोग ओबीसी वर्ग के वंचितों को आरक्षण का लाभ मिल सके इसके लिये राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिये सर्वोच्च न्यायालय के दिशा निर्देशों के अनुरूप सरकार को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगा। आयोग के सदस्य सचिव श्री अशोक जैन ने आयोग के गठन एवं उद्देश्य के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सर्वोच्च न्यायालय के दिशा निर्देशों की पालना में राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिये आयोग संवाद एवं सर्वे कर रहा है। उन्होंने बताया कि आयोग द्वारा सर्वे के लिये स्वतंत्र संस्था के साथ मोबाइल एप से भी सहायता ली जाएगी जिससे सटीक जानकारी मिल सके। उन्होंने स्थानीय निकायों में राजनीतिक आरक्षण के संबंध में आयोग के कार्यालय, मेल के द्वारा अथवा व्यक्तिशः मिलकर सुझाव देने के बारे में अनुरोध किया। कोलायत विधायक अंशुमान सिंह भाटी ने ओबीसी आयोग को साइंटिफिक डेटा देने का आह्वान किया। ताकि आयोग सही निर्णय ले सके। श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचंद सारस्वत ने मूल ओबीसी वर्ग की जातियों का संरक्षण करने और उन्हें उचित राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने की बात कही। चंपालाल गेदर, सुमन छाजेड़ और श्री श्याम पंचारिया ने आयोग के सदस्यों से ओबीसी वर्ग की पीड़ा समझने और उसका समाधान निकालने का आह्वान किया। जिला परिषद की अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रियंका तिलानिया और नगर निगम के उपायुक्त श्री यशपाल आहूजा ने जनसंवाद कार्यक्रम में आये सभी प्रतिभागियों का स्वागत कर राजनीतिक प्रतिनिधित्व के बारे में सुझाव देने का आह्वान किया।

भीम आर्मी द्वारा हिरवा गांव में भव्य संविधान संगोष्ठी सम्पन्न

बड़ी संख्या पुरुष व सैकड़ों कि संख्या में महिला व बच्चो ने पढ़ी भारतीय संविधान की प्रस्तावना, लिया संरक्षण का संकल्प

सूरजगढ़ विधानसभा प्रत्याशी शकुन जिलोवा की अध्यक्षता में हुआ कार्यक्रम

अमरचंद हरसोलिया, सत्यवान इंदासर, रघुवीर जोसवाल सहित कई गणमान्य रहे उपस्थित

संविधान बचाने और लोकतंत्र मजबूत करने का दिया संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनू/हिरवा।

सूरजगढ़ विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत हिरवा में 26 नवंबर संविधान दिवस के अवसर पर भीम आर्मी के तत्वावधान में विशाल एवं भव्य संविधान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सूरजगढ़ विधानसभा प्रत्याशी शकुन जिलोवा ने की। संगोष्ठी की शुरुआत भंते विनयपाल (बुद्ध विहार, जय पहाड़ी) के सानिध्य में बुद्ध वंदना तथा बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ हुई।

भंते विनयपाल ने कहा कि संविधान लोकतांत्रिक व्यवस्था की आत्मा है, और इसकी रक्षा करना हर नागरिक का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि 'संविधान बचेगा तभी लोकतंत्र बचेगा।' कार्यक्रम के मुख्य वक्ता एडवोकेट हरेश पंवार ने संविधान की महत्ता और नागरिक कर्तव्यों पर विस्तृत रूप से संबोधित किया। संविधान निर्माण के अनछूए पहलुओं को रोचक ढंग से साझा किया। बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के योगदान और बलिदान पर और समाज को दिए गए संदेश को समझाइए तो श्रोतागण मंत्र मुक्त हो गए।

इस मौके पर हजारों लोगों ने संविधान की प्रस्तावना पढ़ कर शपथ ली तथा संविधान संरक्षण की भी शपथ ली। भीम आर्मी जिला अध्यक्ष विकास आल्हा ने बताया कि कार्यक्रम में हजारों महिला, पुरुष, युवा एवं बच्चों ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना पढ़कर शपथ ली। उन्होंने कहा कि इसका मुख्य उद्देश्य समाज में समानता, न्याय और बंधुत्व के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना है।

गणमान्य अतिथियों ने संविधान की महत्ता पर डाला प्रकाश

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आजाद समाज पार्टी प्रदेश अध्यक्ष अमरचंद हरसोलिया, विशिष्ट अतिथि भीम आर्मी पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सत्यवान इंदासर एवं प्रदेश महासचिव रघुवीर सिंह जोसवाल रहे। अतिथि के रूप में दिल्ली पुलिस सेवानिवृत थानाधिकारी ईश्वर सिंह मेघवाल, दिव्या वाल्मीकि,पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष सतवीर बरवड़ , मोहम्मद आरिफ, अंबेडकर शिक्षा समिति संरक्षक रोहितास मेहरानिया (चिड़ावा) व प्रदेश सचिव रवि मरोडिया उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि अमरचंद हरसोलिया ने डॉ. अंबेडकर के जीवन एवं संघर्षों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कुछ ताकतें संविधान विरोधी विचारधारा को बढ़ावा देना चाहती हैं, लेकिन ऐसी किसी भी कोशिश को सफल नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि 'भारत की एकता और अखंडता को बनाए रखने में संविधान सर्वोपरि भूमिका निभाता है।' विशिष्ट अतिथि सत्यवान इंदासर ने कहा कि भीम आर्मी हमेशा चुनी हुई सरकारों को संविधान की रक्षा व संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए सतर्क रहने को प्रेरित करती है।

गायककार शिवप्रसाद मेहरिया एवं उनकी टीम द्वारा संविधान निर्माता बाबा साहब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए गाने के माध्यम से सांस्कृतिक प्रस्तुति दी।

स्वागत भाषण ओमप्रकाश सेवदा ने दिया तथा कार्यक्रम का सफल संचालन सुरेश शास्त्री एवं भगत ने किया। अंत में प्रतिभागियों को मिठाई वितरित की गई। कई सामाजिक प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही विशेष कार्यक्रम में बुद्ध विहार ट्रस्टी मैनेजर दुर्गा प्रसाद बोयल, पूर्व जिलाध्यक्ष गुलशन, पूर्व जिलाध्यक्ष प्रदीप चंदेल, भीम आर्मी जिला सचिव रविंद्र कुमार गर्वा (इस्लामपुर), भीम आर्मी सूरजगढ़ विधानसभा अध्यक्ष ओमप्रकाश सुनिया, सूरजगढ़ तहसील अध्यक्ष प्रीतम बिजौली, मलसीसर तहसील अध्यक्ष योगेश कुमार टंडन,मंडावा तहसील अध्यक्ष अजय कुमार वर्मा (नुआ), हिरवा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अनिल खुड़ीवाल, मुनींद्र गर्वा, इस्लामपुर,जसविंद्र, कृष्ण, सुनील राठी , कैलाश महाराज,रोहितास तंवर, बंसीलाल,गजानंद,अमित कुमार,रामूतर ,सुमेर सेठ,रमेश,दिनेश , शिवलाल,अध्यापक रणवीर, कृष्ण,सत्येंद्र यादव (सत्येंद्र टेंट हाउस), जयमल सिरोहा, सज्जन,विक्रम भांगड़वा, मातूराम, श्रीचंद, प्रवीण कुमार, सुरेश कुमार, ओमप्रकाश सेवदा, राधेश्याम चिरानिया, विनोद कासनी, ओमप्रकाश सुनिया पिलानी, कपिल गोठवाल, शकील फौजी, महेंद्र सिंह चारावास, कमलेश काला, सुनील सिरसवा, राजेश खुडाना, रामानंद सिरसला,विक्रम इंडाली, मुकेश सुलताना, रोशनी , सुनीता, संतरा देवी किताब, अपेक्षा, दीपिका जय पहाड़ी सहित अनेक कार्यकर्ता, ग्रामवासी एवं भीम आर्मी पदाधिकारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उपस्थित रहें।

भंते विनयपाल के सानिध्य में बुद्ध वंदना से हुई शुरुआत

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के पीएसओ मनीष कुमार हेड कांस्टेबल पद पर पदोन्नत

कोलासर निवासी मनीष कुमार की कर्तव्यनिष्ठा को मिला सम्मान, राजस्थान पुलिस में नई जिम्मेदारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर जिले के कोलासर निवासी मनीष कुमार को राजस्थान पुलिस में पदोन्नति मिलने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गई हैं। मनीष कुमार को उनकी उत्कृष्ट सेवा और कर्तव्यनिष्ठा के फलस्वरूप कांस्टेबल के पद से हेड कांस्टेबल के पद पर पदोन्नत किया गया है। पदोन्नति से पहले, मनीष कुमार अपनी ड्यूटी निष्ठापूर्वक केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर के तौर पर कर रहे थे। उनकी यह पदोन्नति पुलिस सेवा के प्रति उनके समर्पण और कड़ी मेहनत को दर्शाती है। मनीष कुमार को हेड कांस्टेबल बनने की इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर उनके परिवारजनों, शुभचिंतकों और समस्त पुलिस विभाग की ओर से उज्जवल भविष्य के लिए हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ दी गई हैं।

पेक्सपो ने 10 गुना राजस्व वृद्धि हासिल की; वित्त वर्ष 2025 में 250 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार करने की राह पर

भीम प्रज्ञा न्यूज

नैशनल। पेएक्सपो, जो भारत का एक अग्रणी ब्रांड है और सतत स्टील बोतलों के निर्माण में कार्यरत है, ने आज घोषणा की है कि उसने पिछले छह वर्षों में अपनी आय में दस गुना वृद्धि दर्ज की है। कंपनी का टर्नओवर, जो 2020 में लगभग ?20 करोड़ था, 2024 में तेजी से बढ़कर ?180 करोड़ हो गया और उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025 के अंत तक यह ?250 करोड़ से अधिक हो जाएगा। यह उल्लेखनीय वृद्धि पेएक्सपो के सतत नवाचार, विनिर्माण उत्कृष्टता में किए गए निवेश और पूरे भारत में प्लास्टिक पर निर्भरता कम करने की इसकी प्रतिबद्धता को दर्शाती है 'हमारी यात्रा वास्तव में प्रेरणादायक रही है। हमने एक छोटे से आधार और बड़े विज़न के साथ शुरुआत की थी,' पेएक्सपो के डायरेक्टर वेदांत पडिया ने कहा। 'छह वर्षों में हमारी आय 10 गुना बढ़ी है, जो हमारे ग्राहकों के भरोसे और हमारी टीम के निरंतर प्रयास को दर्शाती है। यह वृद्धि पेएक्सपो ब्रांड में निहित गुणवत्ता और नवाचार का प्रमाण है।' कंपनी की सफलता उसके मुख्य सिद्धांत में गहराई से जुड़ी है: प्लास्टिक के उपयोग को केवल स्वास्थ्य कारणों से ही नहीं, बल्कि पृथ्वी और उसके लोगों के लिए स्थिरता बढ़ाने के उद्देश्य से भी बदलना। पेएक्सपो ने वैक्यूम फ्लास्क पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी के माध्यम से भारत के हितों की मजबूती से पैरवी की। भारत के विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक उपलब्धि के रूप में, पेएक्सपो चीन से आयात किए जाने वाले वैक्यूम फ्लास्क पर एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगाने की याचिका दाखिल करने वाला एकमात्र घरेलू आवेदक बनकर उभरा। यह महत्वपूर्ण कदम, जो राष्ट्रीय हितों में निहित है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दृष्टि के अनुरूप है, भारतीय स्टील बोतल उद्योग के लिए एक निर्णायक मोड़ साबित होता है। कई वर्षों की कठोर समीक्षा प्रक्रिया के बाद, भारत सरकार ने मार्च 2025 में एंटी-डंपिंग ड्यूटी को मंजूरी प्रदान की, जिससे एक परिवर्तित और आत्मनिर्भर विनिर्माण परिदृश्य की नींव रखी गई।

आल इंडिया डॉ भीमराव अम्बेडकर एडवोकेट्स एक्सन फ्रंट ने संविधान दिवस की राष्ट्र को शुभकामनाएं

देश-प्रदेश में सभी के लिए राष्ट्रीय पर्व जैसा है संविधान दिवस - एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा, प्रदेश अध्यक्ष,आल इंडिया डॉ भीमराव अम्बेडकर एडवोकेट्स एक्सन फ्रंट

भीम प्रज्ञा न्यूज़.हिसार/टोहाना।

रजत रंगा । संविधान दिवस पर आयोजित राष्ट्राभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया जिसमें सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया नई दिल्ली के अधिवक्ता डॉ सुधीर रंगा, राष्ट्रीय चेयरमैन, आल इंडिया डॉ भीमराव अम्बेडकर एडवोकेट्स एक्सन फ्रंट ने देश भर से आये फ्रंट के सदस्यों को सम्बोधित करते हुए कहा कि संविधान दिवस हम अम्बेडकर शादीयों के लिए एक राष्ट्रीय पर्व जैसा है तथा आज के दिन हमें यह शपथ लेनी चाहिए कि हम सब संविधान दिवस के मान सम्मान व राष्ट्र हित के लिए कोई भी कुर्बानी देने के लिए तैयार रहेंगे। राष्ट्रीय चैयरमेन डॉ सुधीर रंगा ने अपने सम्बोधन में कहा कि आज संविधान से सर्वोच्च कोई नहीं है यह हमें एकजुट होकर देश हित में जीने की प्रेरणा देता है। संविधान दिवस पर विशेष आमंत्रित सदस्य में देश भर के वरिष्ठ अधिवक्ताओं के अलावा कई विद्वानों ने भी समारोह में शामिल होते हुए संविधान में अपनी आस्था प्रकट की तथा आने वाली पीढ़ियों को भी अपने सम्बोधन में कहा कि राष्ट्र के विकास में संविधान की हमेशा एक विशेष भूमिका रहती है यह बात हमें हमेशा याद रखते हुए संविधान को अहमियत देते रहना है। हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा ने अपने सम्बोधन में कहा कि संविधान दिवस हमारे लिए दिपावली पर्व जैसा पर्व है संविधान में वर्णित आधार ही हमारे राष्ट्र को एक सूत्र में बांधे हुए है इसलिए हर हाल में हमें इसकी रक्षा के आगे रहना होगा। डॉ भीमराव अम्बेडकर एडवोकेट्स एक्सन फ्रंट के देश भर से आए पदाधिकारियों ने भी अपने सम्बोधन में संविधान दिवस को राष्ट्रीय पर्व घोषित करने के लिए केन्द्र सरकार व राष्ट्रपति को पत्र लिखने की बात कही।

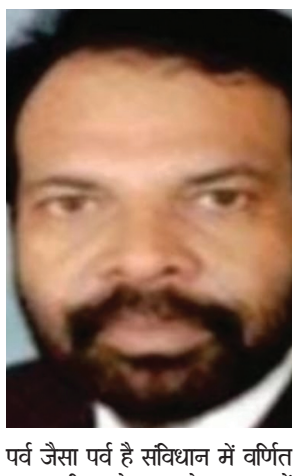

डिजिटल रूप से सुरक्षित फतेहाबाद' की ओर कदम– एसपी जैन की महत्वपूर्ण साइबर एडवाइजरी जारी

जन-जन तक पहुंचा जागरूकता अभियान, साइबर अपराध की हर शिकायत पर पुलिस की त्वरित कार्रवाई से बढ़ा जनता का भरोसा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक फतेहाबाद सिद्धांत जैन, आईपीएस ने जिलेवासियों को साइबर अपराधों से बचाव हेतु एक महत्वपूर्ण पुलिस एडवाइजरी जारी की है। डिजिटल युग में जहां इंटरनेट लोगों को असीमित सुविधाएँ प्रदान कर रहा है, वहीं इसके साथ साइबर अपराधों का खतरा भी तेजी से बढ़ रहा है। इन बढ़ते जोखिमों को ध्यान में रखते हुए फतेहाबाद पुलिस द्वारा लगातार एक विशेष साइबर सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, जिसने जिले के नागरिकों में डिजिटल सुरक्षा के प्रति नई चेतना जगाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। एसपी सिद्धांत जैन ने बताया कि आज जीवन के लगभग हर क्षेत्र–नौकरी, शिक्षा, बैंकिंग और सोशल मीडिया–का संचालन मोबाइल और कंप्यूटर तकनीक पर आधारित हो चुका है। ऐसे में छोटी-

सी लापरवाही भी किसी बड़े साइबर अपराध का कारण बन सकती है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि साइबर अपराधी फर्जी बैंक अधिकारी बनकर, पुरस्कार अथवा लॉटरी का लालच देकर, नकली लिंक भेजकर तथा कॉल या एसएमएस के माध्यम से लोगों की निजी व बैंक संबंधी जानकारी हासिल कर लेते हैं और खातों से राशि निकाल लेते हैं। उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि इंटरनेट का उपयोग करते समय विशेष सतर्कता बरतें। ओटीपी, पासवर्ड, एटीएम पीआईएन तथा बैंक से संबंधित कोई भी गोपनीय जानकारी किसी से साझा न करें। संदिग्ध या अनवेरिफाइड लिंक पर क्लिक न करें, अपने मोबाइल व कंप्यूटर के सॉफ्टवेयर को नियमित रूप से अपडेट करते रहें तथा सोशल मीडिया पर अनजान व्यक्तियों से दूरी बनाए रखें। एसपी जैन ने स्पष्ट कहा कि 'साइबर अपराधों से बचने का सबसे प्रभावी हथियार केवल जागरूकता और सतर्कता है। पुलिस ने साइबर जागरूकता को जन-जन तक पहुँचाने के लिए एक विशेष ग्राउंड-एक्शन प्लान भी लागू किया है। इसके तहत पुलिस टीमें जिले के विभिन्न स्कूलों, कॉलेजों और शिक्षण संस्थानों में जाकर छात्रों को डिजिटल सुरक्षा संबंधी व्यावहारिक जानकारी प्रदान कर रही हैं। यह पहल युवाओं में साइबर सुरक्षा को लेकर विशेष उत्साह और सकारात्मकता उत्पन्न कर रही है, जिससे वे डिजिटल दुनिया का और अधिक जिम्मेदारी से उपयोग कर रहे हैं।

बीकानेर मेडिकल कॉलेज के बाहर यूटीबी नर्सिंग कर्मियों का 'खून से लिखा' 3 दिन से धरना जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । अपनी नौकरी से हटाए गए यूटीबी नर्सिंग कर्मियों का धरना प्रदर्शन बीकानेर मेडिकल कॉलेज के बाहर तीसरे दिन भी जारी रहा। इस दौरान आज सभी प्रदर्शनकारी अभ्यर्थियों ने अनूठा विरोध प्रदर्शन करते हुए अपने खून से लिखकर उन्हें उनकी नौकरी पर वापस रखने की मांग की, प्रदर्शनकारियों ने मेडिकल कॉलेज प्रशासन से वार्ता की। इस संबंध में प्रिंसिपल ने स्पष्ट किया कि कॉलेज में रिक्त पद नहीं होने के कारण इन कर्मियों का समायोजन संभव नहीं है। हालांकि, धरने पर बैठे यूटीबी नर्सिंग कर्मियों की मुख्य मांग यह है कि उन्हें बीकानेर के अलावा अन्य जिलों के रिक्त पदों पर समायोजित किया जाए। अपनी नौकरी से वंचित रहे इन यूटीबी कर्मियों ने प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर जल्द विचार नहीं किया गया और उन्हें नौकरी पर वापस नहीं रखा गया, तो वे भूख हड़ताल शुरू करने के लिए बाध्य होंगे। फिलहाल, बड़ी संख्या में नर्सिंग कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर बीकानेर मेडिकल कॉलेज के बाहरी परिसर में धरने पर बैठे हुए हैं। यह मामला तब गर्माया जब इन कर्मियों को उनकी सेवा से हटा दिया गया, जिसके बाद वे अपनी नौकरी बहाली की मांग को लेकर एकजुट हो गए हैं।

डब्ल्यूपीएल 2026 नीलामी में दीप्ति को यूपी ने 3.2 करोड़ रुपये में खरीदा

सोफी को गुजरात ने 2 करोड़ रुपये में शामिल किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्ल्यूपीएल) 2026 के लिए यहां हुई पहली मेगा में कुल 277 खिलाड़ी शामिल हुई। इसमें 194 भारतीय और 83 विदेशी खिलाड़ी शामिल हुईं। इसमें इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन को यूपी वॉरियर्स ने 85 लाख रुपये में ज जबकि ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग को 1.90 करोड़ रुपये में लिया। दीप्ति शर्मा को यूपी ने 3.2 करोड़ रुपये में खरीदा। न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन को गुजरात जायंट्स ने 2 करोड़ रुपये में खरीदा। अमेलिया को 3 करोड़ में मुंबई इंडियंस ने अपने साथ जोड़ा। वहीं ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली को नहीं मिला खरीदार। इस मैगा नीलामी में अधिक से अधिक 73 खिलाड़ियों को ही खरीदा जा सकेगा। इसमें पांच टीमों में 50 भारतीय और 23 विदेशी खिलाड़ी के लिए ही स्लॉट है। हर फ्रेंजाइजी अपने स्क्वॉड में कम से कम 15 और ज्यादा से ज्यादा 18 प्लेयर ही शामिल कर सकती है।

इससे पहले टीमों ने कुल 17 खिलाड़ियों को रिटेन किया था, जिनमें 7 विदेशी और 3 अनकैप्ड हैं। ऐसे में टीमें अपने 2025 स्क्वॉड के खिलाड़ियों को वापस पाने के लिए राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड का इस्तेमाल कर सकती हैं। जिन फ्रेंचाइजी ने कम खिलाड़ियों को रिटेन किया, उसके पास खिलाड़ियों को खरीदने के लिए मोटी रकम है। हर टीम का पर्स 15 करोड़ रुपये, जिसमें रिटेंशन भी शामिल है। मुम्बई और दिल्ली आरटीएम इस्तेमाल नहीं कर सकेंगी क्योंकि उन्होंने पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया है

यूपी वॉरियर्स : दीप्ति शर्मा ,सोफी और लैनिंग

स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा यूपी वॉरियर्स में ही रहेंगी। उन्हें यूपी ने 3.2 करोड़ में लिया है। डीसी ने दीप्ति में दिलचस्पी दिखाई लेकिन यूपी ने आरटीएम कार्ड का इस्तेमाल कर बाजी मार ली। वह महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं।

इंग्लैंड की सोफी को यूपी वॉरियर्स ने 85 लाख रुपये में खरीदा है। यूपी ने आरटीएम ऑप्शन से सोफी को खरीदा। वहीं यूपी ने ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग को 1.90 करोड़ रुपये में लिया। लैनिंग का आधारमूल्य 50 लाख था। वह पिछले तीन सीजन दिल्ली के लिए खेलीं।

मुंबई इंडियंस : अमेलिया केर

अमेलिया केर 3 करोड़ में मुंबई इंडियंस के साथ बनी रहेंगी। न्यूज़लैंड की ऑलराउंडर के लिए मुंबई और यूपी वॉरियर्स के बीच बिडिंग वॉर देखने को मिली। गुजरात जायंट्स ने तेज गेंदबाज रेणुका सिंह को 60 लाख रुपये में लिया है।

गुजरात जायंट्स : सोफी डिवाइन

न्यूजीलैंड की दिग्गज प्लेयर सोफी डिवाइन गुजरात जायंट्स का हिस्सा बन गई हैं।

उन्हें जीजी ने दो करोड़ रुपये में खरीदा। दिल्ली ने 1.9 करोड़ तक की बोली लगाई लेकिन बाजी जीजी ने मारी। उनका बेस ब्राइस 50 लाख था।

वहीं 50 लाख रुपये आधार मूल्य वाली ऑस्ट्रेलिकया की दिग्गज खिलाड़ी एलिसा हीली को कोई खरीदार नहीं मिला।

शुभमन बोले, टीम और मजबूत होकर उभरेगी

शांत समुद्र नहीं तूफान ही रास्ता दिखाता है

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने दक्षिण साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में हार पर निराशा जतायी है। शुभमन इस सीरीज के पहले टेस्ट में गर्दन में आई जकड़न के बाद बाहर हो गये थे। इसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। भारतीय टीम सीरीज के दोनो ही मैच हार गयी है। दूसरे टेस्ट में उसे 408 रनों से बड़ी हार मिली। शुभमन ने कहा है कि इस बार के बाद टीम और मजबूत होकर उभरेगी। भारतीय टीम इस सीरीज के पहले टेस्ट में 30 रन जबकि दूसरे में 408 रनों से हारी थी। इस हार से टीम के प्रदर्शन के साथ ही गंभीर की कोचिंग पर भी सवाल उठे हैं। वहीं शुभमन ने सोशल मीडिया में टीम के बचाव में लिखा, ''शांत समुद्र आपको रास्ता दिखाना नहीं सिखाता, बल्कि तूफान ही मजबूत बनाता है। हम एक-दूसरे पर भरोसा करते रहेंगे, एक-दूसरे के लिए संघर्ष करते हुए आगे बढ़ते हुए मजबूत बनेंगे।'' एक साल के अंतराल में भारतीय टीम को को घरेलू टेस्ट सीरीज के सभी मैचों में हार का सामना करना है। न्यूजीलैंड के खिलाफ उसे 3-0 और अब दक्षिण अफ्रीका से 2-0 की हार झेलनी पड़ी है। इसके बाद से ही गंभीर आलोचकों के निशाने पर हैं और प्रशंसक उन्हें हटाने की मांग करते दिख रहे हैं। इससे भारतीय टीम की अपनी धरती पर अजेय रहने की छवि भी टूटी है।

गावस्कर ने गंभीर का बचाव किया, बोले हार के लिए कोच नहीं खिलाड़ी जिम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का बचाव करते हुए कहा है कि उनके ही मार्गदर्शन में चैम्पियंस ट्रॉफी और एशिया कप में जीत मिली थी। गंभीर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम को मिली हार के बाद से ही आलोचकों के निशाने पर हैं। इसका कारण है कि उसे पिछले साल न्यूजीलैंड और अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के सभी मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इन हालातों में जहां अधिकतार लोग गंभीर के विरोध में हैं और उन्हें हटाने की मांग कर रहे हैं। वहीं गावस्कर का कहना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली शर्मनाक हार के लिए कोच नहीं खिलाड़ी जिम्मेदार हैं। गावस्कर का कहना है कि आप जब हारते हैं, तभी कोच को दोष देते हैं, लेकिन जीत के लिए उसे उतना श्रेय नहीं मिलता।

गावस्कर ने कहा कि भारतीय कोच की आलोचना लोग शीघ्र करने लगते हैं पर सफलता के समय उन्हें श्रेय नहीं देते। गावस्कर ने कहा, ÷वह एक कोच हैं। कोच एक टीम तैयार कर सकता है पर मैदान पर कोच नहीं खिलाड़ियों को प्रदर्शन करना होता है। अब, जो लोग कोच से जवाबदेही की मांग कर रहे हैं तो मैं उनसे पूछता हूं कि जब भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप जीत था तो आपने क्या किया था? क्या आपने उन्हें श्रेय दिया था?

उन्होंने साथ ही कहा, क्या आपने तब ऐसा कहा था? जो आप अब उनको निकालने की मांग कर रहे हैं–क्या आपने तब कहा था कि उन्हें एक लंबा अनुबंध नहीं दिया जाना चाहिए। जब कोई टीम अच्छा नहीं करती, तभी आप कोच को भला-बुरा कहते हैं। गावस्कर के अनुसार तीनों प्रारुपों में कोचिंग करना आसान नहीं है।

घरेलू खिलाड़ियों को मिलेगा मौका, दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद भारतीय टीम में हो सकता है बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में दोनों मैच में करारी पराजय झेलने के बाद घरेलू स्तर के कुछ विशेषज्ञ खिलाड़ियों को भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिल सकती है क्योंकि अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति बल्लेबाजी क्रम में तीसरे नंबर जैसे महत्वपूर्ण स्थान के प्रति अपने रवैये में बदलाव करने के लिए तैयार है। पिछले तीन दशक में राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा जैसे बल्लेबाजों ने नंबर तीन पर अपनी भूमिका बखूबी निभाई थी लेकिन अब यह स्थान दांव पर लगा है।

करुण नायर इंग्लैंड में चार टेस्ट मैच खेलने के बावजूद प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे जबकि बी साई सुदर्शन ने 11 पारियों में 27 की औसत से यह दिखा दिया है कि वह अभी भी प्रगति की राह पर हैं। सुदर्शन के साथ तकनीक से जुड़ी कुछ समस्याएं हैं विशेष कर उपमहाद्वीप की पिचों पर स्पिन गेंदबाजों के सामने उनकी कमजोरी खुलकर उजागर हो गई है। उन्हें टेस्ट मैचों के लिए तैयार होने के लिए घरेलू क्रिकेट और भारत ए के साथ समय बिताने की जरूरत है। टेस्ट क्रिकेट ऐसी जगह नहीं है जहां प्राथमिक स्तर की छोटी-छोटी गलतियों को सुधारा जाए और यह खिलाड़ी लगातार गलतियों को दोहरा रहे हैं जिसके कारण बदलाव जरूरी हो गया है।

इस बात की प्रबल संभावना है कि चयन समिति अब बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए घरेलू स्तर के कुछ सीनियर खिलाड़ियों के नाम पर गंभीरता से विचार करेगी। सरफराज खान और अभिमन्यु ईश्वरन के लिए दरवाजे लगभग बंद हो चुके हैं, लेकिन घरेलू क्रिकेट में अनुभवी तीन खिलाड़ी रुतुराज गायकवाड़, रजत पाटीदार और रिंकू सिंह टीम प्रबंधन का ध्यान अपनी तरफ खींच सकते हैं। लाल गेंद के नए खिलाड़ियों में स्मरण रविचंद्रन (प्रथम श्रेणी औसत 78) और यश राठौड़ (पिछले रणजी सत्र में 960 रन) ने मध्यक्रम में अच्छा प्रदर्शन किया है।

एक पूर्व चयनकर्ता से जब इस बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, 'लोग अभिमन्यु और सरफराज को नहीं चुनने के लिए अजीत और उनकी समिति को दोषी ठहरा सकते हैं, लेकिन क्या मुख्य कोच (गौतम गंभीर) और नए कप्तान (शुभमन गिल) को उनकी क्षमता पर भरोसा है। अगर नहीं, तो अकेले अजीत क्या करेंगे।' लेकिन संभवतः अब समय आ गया है कि एक बार फिर से रणनीति बनाई जाए और ऑलराउंडरों के बजाय विशेषज्ञ खिलाड़ियों पर भरोसा किया जाए। उन्होंने कहा, 'एक बात स्पष्ट कर दूं कि कपिल देव अंतिम विश्वस्तरीय ऑलराउंडर थे और टेस्ट स्तर पर अंतिम सक्षम ऑलराउंडर मनोज प्रभाकर थे जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में आगाज कर सकते थे। जहां तक हार्दिक पांड्या का सवाल है तो उनका शरीर उन्हें टेस्ट क्रिकेट में खेलने की अनुमति नहीं दे रहा है।'

उन्होंने कहा, ''लेकिन नितीश रेड्डी टुकड़ों में खेलने वाले खिलाड़ी हैं। वह ज़्यादा से ज़्यादा टी20 खेल सकते हैं, वनडे नहीं और गौतम को यह बात समझने की जरूरत है।' रेड्डी का 10 टेस्ट मैचों में बल्लेबाजी औसत 26 है, जो मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया में लगाए गए शतक के कारण है। उन्होंने 15 पारियों में केवल 86 ओवर गेंदबाजी की है, जो औसतन छह ओवर प्रति पारी भी नहीं है। वर्तमान समय में भारत को नंबर तीन पर एक मजबूत बल्लेबाज की जरूरत है। इसके अलावा उसे नंबर पांच पर भी एक अच्छे रिजर्व बल्लेबाज की जरूरत है।

टी20 विश्वकप फाइनल ऑस्ट्रेलिया से खेलकर जीतना चाहते हैं सूर्यकुमार

मुंबई। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम 2026 विश्वकप में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतरेगी। सूर्यकुमार 2024 में विश्वकप विजेता भारतीय टीम में शामिल थे हालांकि तब टीम की कप्तानी रोहित शर्मा के पास थी। ऐसे में अब सूर्यकुमार अपनी कप्तानी में टीम को खिताब जिताने के इरादे से उतरेंगे। सूर्यकुमार चाहते हैं कि इस टूर्नामेंट के फाइनल में भारतीय टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से हो जिसमें उसे हराकर अहमदाबाद के मैदान पर 2023 एकदिवसीय विश्वकप की हार का बदला लिया जा सके। भारतीय टीम को 2026 टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान, अमेरिका, नीदरलैंड और नामीबिया के साथ ग्रुप ए में रखा गया, जबकि ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान के साथ ग्रुप बी में जगह मिली है। भारत ने पिछले टी20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हराया था और इस साल चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भी उन्हें चार विकेट से हराया था पर ये अलग मैदान थे। भारतीय खिलाड़ी चाहते हैं कि ऑस्ट्रेलिया को उसी उसी मैदान पर हरायें जिसपर उसे 10 मैच जीतने के बाद फाइनल में हार मिली थी। जब सूर्या से पूछा गया कि अगले साल के टी20 विश्व कप फाइनल मुकाबले में वह किस टीम का सामना करना चाहेंगे तो सूर्यकुमार ने जवाब दिया, ''अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में।'' वहीं भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी सूर्या की बात का समर्थन किया, जिनकी टीम ने हाल ही के विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराने के बाद खिताब जीता था। उन्होंने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया ही एकमात्र टीम है जिसे हम हराना चाहते हैं, क्योंकि यह वह गेम है जो आपके साथ रहता है।''

दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद अश्विन का ऋषभ पंत पर तीखा तंज : जब तक जिम्मेदारी नहीं लेंगे, कुछ नहीं बदलेगा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने ऋषभ पंत की बल्लेबाजी कौशल की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका खेल और डिफेंस शानदार है। हालाँकि, उन्होंने पंत के लापरवाह शॉट चयन पर भी निराशा व्यक्त की, जिसके कारण अक्सर उन्हें आउट होना पड़ता है। अश्विन का मानना है कि पंत एक बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं और उनमें महत्वपूर्ण प्रभाव डालने की क्षमता है, लेकिन उन्हें अधिक ज़िम्मेदारी लेने और अपने शॉट्स के साथ अधिक सावधान रहने की आवश्यकता है। यह बात भारत को दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका से 408 रनों से मिली शर्मनाक हार के बाद आई है, जिसके परिणामस्वरूप श्रृंखला 0-2 से हार गई। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल ऐश की बात पर कहा कि जब ऋषभ पंत बल्लेबाजी करते थे तो ड्रेसिंग रूम में मेरी धड़कनें तेज़ हो जाती थीं। उनका खेल और डिफेंस शानदार है, इसलिए मुझे हमेशा आश्चर्य होता है कि वह ऐसे शॉट क्यों खेलते हैं। मैं अब भी कहूँगा कि वह एक बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, और जिस दिन वह ज़िम्मेदारी लेंगे, चीजें बदलने लगेंगी। मैं उनके एक्स-फैक्टर से इनकार नहीं करता। नाथन एस्टल ने एक बार क्राइस्टचर्च में 200 के करीब रन बनाए थे। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन उसके बाद वह हर टेस्ट में एक जैसा नहीं खेला। इसी तरह, बल्लेबाज़ हर बार एक जैसा नहीं खेल सकते। मैंने ड्रेसिंग रूम में भी कहा है, लेकिन जब तक उसे इसका एहसास नहीं होगा, यह बदल नहीं सकता। अगर आप आज कप्तान हैं, तो 10 दूसरे आपके नक्शेकदम पर चलेंगे। इसलिए ज़िम्मेदारी ज़रूरी है। पंत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारत के कार्यवाहक कप्तान थे क्योंकि नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन की चोट के कारण मैच से बाहर हो गए थे। पंत का प्रोटियाज़ टेस्ट सीरीज़ में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और उन्होंने चार पारियों में सिर्फ़ 49 रन बनाए।

सुल्तान अजलान शाह कप: रोमांचक मुकाबले में भारत ने मलेशिया को 4-3 से हराया

इपोह (मलेशिया) (एजेंसी)। सुल्तान अजलान शाह कप 2025 में भारतीय हॉकी टीम ने मेजबान मलेशिया को 4-3 के रोमांचक मुकाबले में मात देकर टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। भारत के लिए सेल्वम कार्थी (7'), सुखजीत सिंह (21'), अमित रोहिदास (39') और कप्तान संजय (53') ने गोल किए। वहीं मलेशिया के लिए फैजल सारी (13'), फितरी सारी (36') और कप्तान मरहान जलील (45') ने गोल दागे।

इस जीत के साथ भारत तीन मैचों में छह अंकों के साथ अंकतालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। भारत ने पहला मुकाबला कोरिया के खिलाफ जीता था, जबकि दूसरे मैच में बेल्जियम से हार मिली थी।

पहला हाफ: तेज शुरुआत, फिर मलेशिया की बराबरी

भारत ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और शुरुआती मिनटों में ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। लगातार दबाव का फायदा टीम को 7वें मिनट में मिला जब सुखजीत के बेहतरीन मूव पर सेल्वम कार्थी ने आसान टैप-इन से गोल किया। हालांकि, पहले क्वार्टर के अंत में यशदीप सिवाच की गलती से मलेशिया को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे फैजल सारी ने गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया।

दूसरा क्वार्टर: भारत ने फिर बनाई बढ़त

21वें मिनट में अभिषेक के शॉट को रिबाउंड पर नियंत्रित करते हुए सुखजीत सिंह ने भारत के लिए दूसरा गोल किया। भारत को बढ़त बढ़ाने के अवसर मिले, लेकिन मलेशिया की डिफेंस ने और गोल नहीं होने दिया। हाफ टाइम तक भारत 2-1 से आगे रहा।

तीसरा क्वार्टर: दोनों टीमों का कड़ा संघर्ष

तीसरे क्वार्टर में शुरुआत भारत के पेनल्टी कॉर्नर से हुई, लेकिन टीम मौके को भुना नहीं पाई। इसके बाद 34वें मिनट में जुगराज सिंह को ग्रीन कार्ड मिला, जिसका फायदा उठाते हुए मलेशिया ने फितरी सारी की मदद से 2-2 की बराबरी कर ली। कुछ देर बाद भारत की ओर से अमित रोहिदास ने पेनल्टी कॉर्नर पर जोरदार हिट लगाकर स्कोर 3-2 कर दिया। क्वार्टर के आखिरी मिनट में सेल्वम कार्थी येलो कार्ड से बाहर हुए और मलेशिया ने खिलाड़ियों की संख्या का फायदा उठाते हुए कप्तान मरहान जलील के जरिए मैच को फिर बराबरी पर ला दिया (3-3)।

आखिरी क्वार्टर: कप्तान संजय बने हीरो

अंतिम क्वार्टर में मैच बेहद रोमांचक मोड़ पर था। भारतीय गोलकीपर पवन ने एक कठिन शॉट रोककर स्कोर को बराबरी पर बनाए रखा। 53वें मिनट में भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे कप्तान संजय ने सफलतापूर्वक गोल में बदलकर भारत को चौथी बार बढ़त दिलाई (4-3)।

आखिरी मिनटों में मलेशिया को पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन भारतीय डिफेंस और पवन के शानदार बचाव ने जीत सुनिश्चित कर दी। भारत ने मुकाबला 4-3 से अपने नाम किया।

अगला मुकाबला

भारत अपना अगला सुल्तान अजलान शाह कप 2025 मैच गुरुवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

सिराज का एयर इंडिया एक्सप्रेस पर फूटा गुस्सा : 'सबसे घटिया एयरलाइन अनुभव', 4 घंटे की देरी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। भारत के तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज ने एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान में हुई देरी पर अपनी निराशा और हताशा व्यक्त की है। उन्होंने इसे एयरलाइन की ओर से संचार और अपडेट की कमी के कारण सबसे खराब एयरलाइन अनुभव बताया है। दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 408 रनों से शर्मनाक हार के बाद सिराज गुवाहाटी से हैदराबाद लौट रहे थे, जिसके परिणामस्वरूप दो मैचों की श्रृंखला 0-2 से हार गई। पिछले साल न्यूज़ीलैंड से 3-0 की हार के बाद, यह भारत का घरेलू मैदान पर दूसरा क्लीन स्वीप है। सिराज ने बुधवार शाम को उड़ान में हुई देरी पर नाराज़गी जताई, जो शाम 7.25 बजे उड़ान भरने वाली थी। उन्होंने एयरलाइन की संचार की कमी को उजागर किया। एक एक्स पोस्ट में, सिराज ने लिखा कि गुवाहाटी से हैदराबाद जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या IX 2884 को 7.25 पर उड़ान भरनी थी, लेकिन एयरलाइन की ओर से कोई सूचना नहीं मिली है और बार-बार संपर्क करने के बाद भी उन्होंने बिना किसी उचित कारण के उड़ान में देरी कर दी है। यह वास्तव में निराशाजनक है और हर यात्री की यही आम शिकायत है। उड़ान में 4 घंटे की देरी हुई और अभी तक कोई अपडेट नहीं मिलने से हम फंस गए हैं। एयरलाइन का सबसे खराब अनुभव। मैं वास्तव में किसी को भी इस उड़ान से जाने की सलाह नहीं दूंगा अगर वे कोई स्टैंड नहीं ले सकते। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने गुरुवार को बताया कि गुवाहाटी से हैदराबाद जाने वाली उसकी उड़ान (IX 2884) अप्रत्याशित परिचालन कारणों से रद्द कर दी गई है। यह स्पष्टीकरण तब आया जब सिराज ने सार्वजनिक रूप से एयरलाइन पर गुवाहाटी से उड़ान में देरी और इस संबंध में संचार की कमी का आरोप लगाया। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सिराज के X पोस्ट के जवाब में कहा कि हमें आपको यह बताते हुए खेद हो रहा है कि अप्रत्याशित परिचालन कारणों से उड़ान रद्द कर दी गई है। हवाई अड्डे पर हमारी टीम सभी मेहमानों को आवश्यक व्यवस्थाओं में सक्रिय रूप से सहायता कर रही है। हम समझते हैं कि यह स्थिति कितनी कठिन है, और हम आपके धैर्य और समझ की सराहना करते हैं। कृपया आश्वस्त रहें कि हमारी टीम आपको अपडेट देती रहेगी और हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

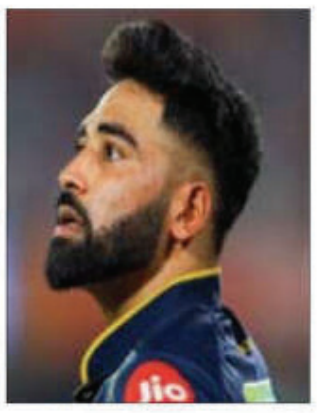

कमिंस को दूसरे और हेलवुड को तीसरे टेस्ट में उतार सकता है ऑस्ट्रेलिया : रिपोर्ट

ब्रिसबेन। यहां इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां 4 दिसंबर से शुरु हो रहे दूसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट की तैयारियां जारी है। इस सीरीज में 1-0 से आगे चल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मैच में नियमित कप्तान पैट कमिंस को उतार सकती है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार तेज गेंदबाज कमिंस के आने से मेजबान टीम का गेंदबाजी आक्रमक और मजबूत होगा। कमिंस अब फिट हैं और अभ्यास सत्र में जमकर गेंदबाजी कर रहे हैं। उन्हें दूसरे एशेज टेस्ट से पहले गुलाबी गेंद से अभ्यास करते देखा गया, जो एक दिन-रात का मैच होगा. वहीं एक अन्य तेज गेंदबाज जोश हेज़लवुड भी अभ्यास सत्र में उतर गये हैं पर उनके तीसरे टेस्ट में उतरने की संभावना है। हेजलवुड को हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण पहले टेस्ट मैच से बाहर रखा गया था। हेज़लवुड को सिडनी के क्रिकेट सेंट्रल में नेट्स पर लाल गेंद से गेंदबाजी करते देखा गया। ऐसे में ब्रिस्बेन में दूसरे टेस्ट मैच के लिए उनके खेलने की संभावना कम है पर माना जा रहा है कि वह एडिलेड में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में खेलेंगे। मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने कहा कि टीम को उम्मीद है कि हेज़लवुड मौजूदा एशेज सीरीज़ के बाद के मैचों में खेलने के लिए उपलब्ध होंगे। मैकडॉनल्ड ने कहा, 'मुझे पता है कि वह सीरीज़ के दौरान किसी न किसी समय उपलब्ध रहेंगे। हमें अभी थोड़ा सा शुरुआती पुनर्वास करना है जिससे यह तय किया जा सके कि वह सीरीज़ में कहाँ खेल सकते हैं, लेकिन हमें उम्मीद है कि वह सीरीज़ में कुछ हिस्सा लेंगे। कोच मैकडॉनल्ड ने कहा कि कमिंस का रिहैब पूरा होने के करीब हैं।

राहुल गांधी ने ब्लाइंड टी20 विश्व कप विजेता टीम महिला टीम से मुलाकात कर जीत की बधाई दी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष में नेता राहुल गांधी ने ब्लाइंड टी20 विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम से मुलाकात कर उसे जीत की बधाई देने के साथ ही भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। राहुल के दिल्ली स्थित निवास 10 जनपथ में विश्वकप विजेता टीम पहुंची थी। इस मौके पर राहुल ने खिलाड़ियों के धैर्य और खेल कौशल को भी सराहा। भारतीय टीम ने रविवार को कोलंबो में खेले गए खिताबी मुकाबले में नेपाल को 7 विकेट से हराया था। इस मुकाबले में नेपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 5 विकेट पर 114 रन बनाए थे। इसके बाद ये लक्ष्य भारतीय टीम ने 12.1 ओवरों में ही हासिल कर लिया। भारतीय टीम ने इस विश्व कप ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, पाकिस्तान, नेपाल और अमेरिका को हराकर खिताब अपने नाम किया। सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया पर 9 विकेट से जबरदस्त जीत दर्ज की थी। इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया ने अपने सभी 7 मैच जीते।भारतीय टीम जब खिताब जीतकर भारत लौटी, तो बेंगलुरु एयरपोर्ट पर टीम का जोरदार स्वागत किया गया। भारतीय टीम की कप्तान दीपिका ने विश्व कप खिताब जीतने पर खुशी जताते हुए कहा था, हमें देश को खिताब जिताकर बेहद खुशी है। पूरी टीम ने एकसाथ मिलकर शानदार प्रदर्शन किया है खिलाड़ियों ने अपनी जिंदगी में काफी मेहनत की है। यह हमारे लिए गर्व का अवसर है।

पंत का 'सॉरी' संदेश, टीम इंडिया के शर्मनाक प्रदर्शन पर फैंस से मांगी माफी, वापसी का लिया संकल्प

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर टीम इंडिया के 0-2 से हारने के बाद, ऋषभ पंत ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक संदेश पोस्ट करके प्रशंसकों से माफ़ी मांगी। पंत ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि हमने पिछले दो हफ़्तों में अच्छा क्रिकेट नहीं खेला। एक टीम और एक व्यक्ति के रूप में, हम हमेशा उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन करना चाहते हैं और अरबों भारतीयों के चेहरे पर मुस्कान लाना चाहते हैं। माफ़ कीजिए, इस बार हम उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए, लेकिन खेल आपको एक टीम और एक व्यक्ति के रूप में, सीखना, ढलना और आगे बढ़ना सिखाता है।

ऋषभ पंत ने आगे लिखा कि भारत का प्रतिनिधित्व करना हमारे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। हम जानते हैं कि यह टीम क्या करने में सक्षम है और हम एक टीम और एक व्यक्ति के रूप में मज़बूत और बेहतर वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, फिर से संगठित होंगे, फिर से ध्यान केंद्रित करेंगे और खुद को फिर से तैयार करेंगे। आपके अटूट समर्थन और प्यार के लिए धन्यवाद! जय हिंद। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज पंत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे।

पंत ने चार पारियों में 12.25 की खराब औसत से सिर्फ 49 रन बनाए। केएल राहुल 30 नवंबर से रांची में शुरू होने वाली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी एकदिवसीय श्रृंखला में टीम इंडिया की अगुवाई करेंगे। राहुल कप्तानी संभालेंगे क्योंकि भारत अपने नियुक्त एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल के बिना होगा। 26 वर्षीय खिलाड़ी को कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन चोट लगी थी और पहली पारी में सिर्फ तीन गेंदों का सामना करने के बाद रिटायर्ड हर्ट होने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। वह दूसरे टेस्ट के लिए समय पर ठीक नहीं हो पाए हैं और मुंबई में उनका मूल्यांकन जारी रहेगा।

टीवी पर काम करना मेरे लिए एक सपने जैसा अनुभव है

टीवी हमारे जीवन का एक अहम हिस्सा बन गया है। छोटे पर्दे ने न सिर्फ हमें मनोरंजन दिया है, बल्कि हमारी सोच, हमारी भावनाओं और हमारे रिश्तों को समझने का तरीका भी बदल दिया है। वर्ल्ड टेलीविजन डे पर आईएएनएस से बात करते हुए टीवी एक्ट्रेस अमनदीप सिद्धू ने अपने अनुभव साझा किए कि कैसे यह माध्यम उनके जीवन और करियर दोनों में एक अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने बताया कि टीवी इंडस्ट्री में काम करना सिर्फ एक नौकरी नहीं है, बल्कि यह उन्हें सीखने, बढ़ने और दर्शकों के साथ गहरे भावनात्मक रूप से जुड़ने का जरिया भी देता है। इंटरव्यू में अमनदीप ने कहा कि टीवी ने उन्हें बहुत कुछ दिया है। उन्होंने कहा, टीवी सिर्फ करियर बनाने का जरिया नहीं है, बल्कि एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जिसने मुझे अपनी आवाज और मकसद खोजने में मदद की है। इसके जरिए मैं लोगों के साथ जुड़ पाती हूं और अपनी कहानियों के माध्यम से भावनाओं और अनुभवों को साझा कर सकती हूं। टीवी मेरे लिए दर्शकों से जुड़ने वाला एक पुल है, जहां कहानी और भावनाएं सीधे लोगों तक पहुंचती हैं। उन्होंने आगे कहा, टीवी पर काम करना मेरे लिए एक सपने जैसा अनुभव है। एक्टिंग हमेशा से मेरा शौक रहा है और हर दिन नए किरदार में ढलना मुझे अंदर से बेहद खुशी देता है। हर प्रोजेक्ट मेरे लिए एक नए सफर जैसा होता है, जो मेरे जीवन, संघर्ष और खुद को समझने का मौका देता है। टीवी ने सिखाया कि कैसे कठिनाइयों का सामना किया जाता है और जीवन के हर अनुभव से सीख ली जाती है। अमनदीप ने नागिन 6 के अनुभव को साझा करते हुए कहा, टीवी पर काम करने का सबसे खास हिस्सा है रोजाना का रूटीन और दर्शकों के साथ जुड़ाव। जब मैं किसी डेली सोप में काम करती हूं, तो मेरा किरदार समय के साथ विकसित होता है और मुझे व्यक्तिगत रूप से भी सीखने का मौका मिलता है। दर्शकों से मिलने वाली प्रतिक्रिया मुझे खुशी देती है और यह अनुभव दर्शकों के बीच एक खास रिश्ता बनाता है।

बॉयफ्रेंड राहुल मोदी की फिल्म में काम करेंगी श्रद्धा कपूर

अपनी सादगी से फैंस के दिलों पर राज करने वालीं श्रद्धा कपूर जहां इन दिनों पैर में फ्रैक्चर के कारण घर पर आराम फरमा रही हैं, वहीं उन्होंने एक ऐसा खुलासा किया है, जिसके बाद उनके दीवानों की बांछे खिल गई हैं। स्त्री एक्ट्रेस ने कंफर्म किया है कि उनकी अगली फिल्म कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी के साथ होगी। राहुल मोदी एक राइटर और फिल्ममेकर हैं। श्रद्धा बीते दिनों फिल्म ईथा की शूटिंग के दौरान घायल हो गईं। वह लावणी डांस सीक्वेंस शूट कर रही थीं, जबकि उनका पैर फ्रैक्चर हो गया। एक्ट्रेस ने हेल्थ अपडेट भी दिया है। बताया है कि सेहत में सुधार है। श्रद्धा ने अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बताया। एक्ट्रेस ने बताया कि ईथा के बाद वह राहुल मोदी की एक फिल्म में दिखेंगी, जो स्टार्टअप्स की दुनिया की कहानी होगी। श्रद्धा ने कहा कि फिल्म में उनका रोल बहुत चैलेंजिंग है।

शहीद विजय सालस्कर की बायोपिक करेंगी प्रोड्यूस

श्रद्धा कपूर ने ये भी बताया कि वह बतौर प्रोड्यूसर सुपर फैट स्टूडियो के साथ दो फिल्में को-प्रोड्यूस करने वाली हैं। इनमें से एक फिल्म जाबांज पुलिस अफसर एक पुलिसवाले विजय सालस्कर की कहानी होगी, जो 26/11 हमलों में शहीद हो गए थे। इसे अखिव अली डायरेक्ट करेंगे। विजय सालस्कर ने दगड़ी चॉल में अरुण गवली के गैंग के कई गुंडों का एनकाउंटर किया था।

एक अन्य फिल्म की शूटिंग भी कर ली है पूरी

श्रद्धा कपूर ने एक और खुलासा किया कि उन्होंने एक अन्य फिल्म की शूटिंग भी पूरी कर ली है। उन्होंने कहा, मैंने एक फिल्म की शूटिंग पहले ही कर ली है। इसकी आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है, इसलिए मैं इसके बारे में ज्यादा बात नहीं कर सकती। लेकिन जल्द ही इसको लेकर ऐलान होगा।

स्टार्टअप कल्चर पर आधारित होगी श्रद्धा-राहुल की फिल्म

एक्ट्रेस ने आगे बताया कि इस प्रोजेक्ट के बाद वह अपने कथित बॉयफ्रेंड राहुल मोदी की फिल्म कर रही हैं। उन्होंने कहा, उसके बाद मैं राहुल की फिल्म कर रही हूं। उसके बारे में बिंदास बात कर सकती हूं। यह स्टार्टअप की दुनिया की फिल्म है। यह हसल कल्चर यानी बिजनस की दुनिया में मची हलचल और उसकी एनर्जी पर आधारित है। मेरे लिए एकदम नया किस्म का रोल है जो बहुत ज्यादा चैलेंजिंग है।

कौन हैं, कहां से हैं राहुल मोदी?

राहुल मोदी और श्रद्धा कपूर ने कभी खुलकर अपने रिश्ते पर मुहर नहीं लगाई है, लेकिन एक्ट्रेस ने कई बार फैंस को अपने रिश्ते को लेकर हिंट दिया है। राहुल मोदी एक राइटर और फिल्ममेकर हैं। वह प्यार का पंचनामा 2, सोनू के टीटू की स्वीटी, और तू झूठी मैं मक्कार जैसी फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। राहुल मोदी मुंबई से ही हैं। उन्होंने लव रंजन की 2011 में रिलीज प्यार का पंचनामा के सेट पर बतौर इंटर्न करियर की शुरुआत की थी।

जान-बूझकर चुन रही हैं कम फिल्में

एक विलेन फेम एक्ट्रेस ने आगे कहा कि वह करियर के इस पड़ाव पर सिर्फ वैसे रोल ही चुन रही हैं, जो उन्हें एक एक्टर के तौर पर आगे बढ़ाए। श्रद्धा ने कहा, अभी मैं जान-बूझकर यही तय कर रही हूं कि मुझे इस टाइप के रोल ही करने हैं, जहां पर मैं एक एक्टर के तौर पर बहुत ज्यादा चैलेंज होती हूं और एक एक्टिव कैरेक्टर प्ले करती हूं। इसलिए बहुत सोच समझकर स्क्रिप्ट्स पढ़ रही हूं।

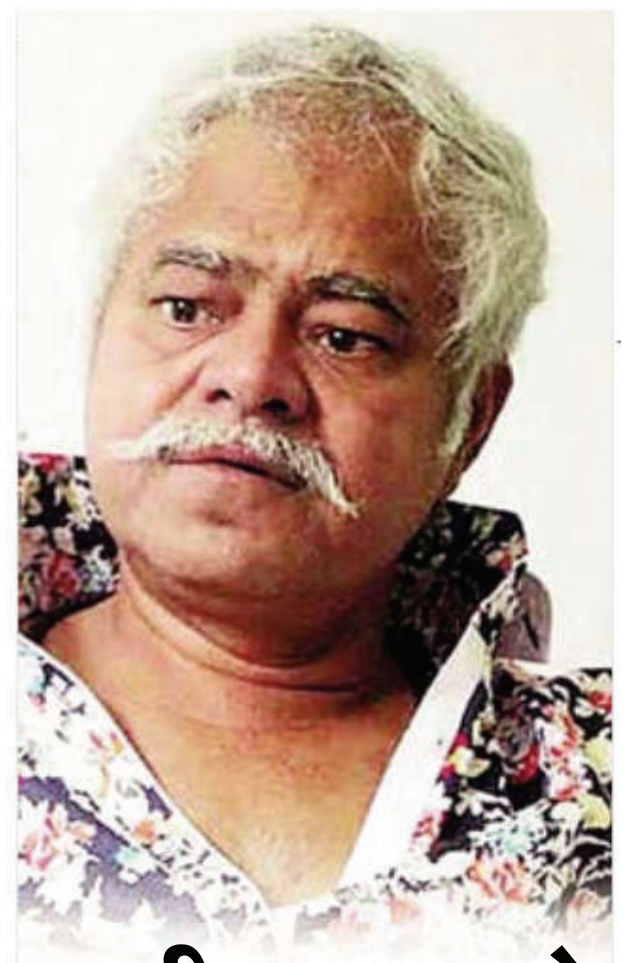

नीना गुप्ता से सीखते और अनुभव लेते हैं संजय मिश्रा

इन दिनों बॉलीवुड की कई जानी मानी हस्तियां 56वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में पहुंच रही हैं। इसी कड़ी में बॉलीवुड के दिग्गज कलाकार संजय मिश्रा भी फेस्टिवल में पहुंचे। यहां उन्होंने अपकमिंग फिल्म वध 2 की स्क्रीनिंग में हिस्सा लिया। इस बीच उन्होंने मीडिया से बात करते हुए अपनी साथी कलाकार नीना गुप्ता की तारीफ की।

संजय मिश्रा ने नीना गुप्ता के बारे में कहा उनके साथ काम करके सीखने का मौका मिलता है और अनुभव मिलता है। नीना गुप्ता मेरी सीनियर हैं और आज भी मैं उनसे बहुत कुछ सीखता हूं। नीना गुप्ता स्वास्थ्य कारणों की वजह से फिल्म फेस्टिवल में नहीं आ सकीं। इस पर संजय मिश्रा ने कहा आज नहीं आ पाईं, उनकी तबियत थोड़ी खराब है वर्ना वह भी आपके पास होतीं।

अगले साल रिलीज होगी फिल्म

मिश्रा का मानना है कि ऐसी फिल्म के साथ लौटना उनके लिए इमोशनल है। यह फिल्म उन लोगों के माहौल को दिखाती है जो अजीब हालात का सामना करते हैं। फिल्म अगले साल 6 फरवरी को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

क्या है वध 2 की कहानी

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में वध 2 की स्क्रीनिंग हुई। इस फिल्म के निर्देशक जसपाल सिंह संधू हैं। इसके निर्माता लव रंजन और अंकुर गर्ग हैं। इस फिल्म में एक मिडिल क्लास जोड़े की कहानी दिखाई गई है। उनका बेटा उन्हें छोड़कर अमेरिका में बस जाता है। वह दोनों लोन की वजह से परेशान हो जाते हैं।

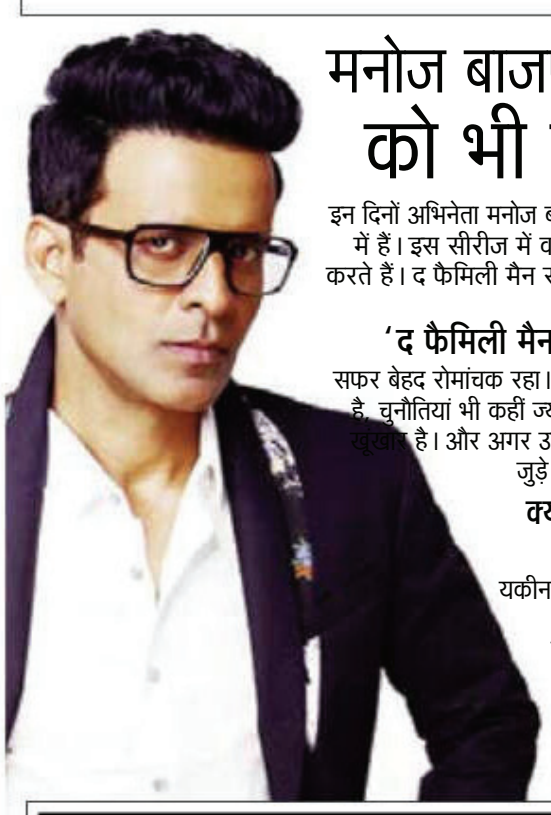

मनोज बाजपेयी ने 'फैमिली मैन' को भी बताया गेम चेंजर

इन दिनों अभिनेता मनोज बाजपेयी सीरीज द फैमिली मैन 3 को लेकर चर्चा में हैं। इस सीरीज में वह श्रीकांत तिवारी नाम के स्पेशल एजेंट का रोल करते हैं। द फैमिली मैन सीरीज ने वेब सीरीज की दुनिया में एक गेम चेंजर का काम किया है।

'द फैमिली मैन 3' का सफर कितना रोमांचक रहा?

सफर बेहद रोमांचक रहा। इस बार 'द फैमिली मैन' सिर्फ स्केल में बड़ा नहीं है, चुनौतियां भी कहीं ज्यादा बड़ी हैं। इस बार जो दुश्मन है वो भी बड़ा और खूंखार है। और अगर उसमें जयदीप अहलावत और निमरत कौर जैसे नाम जुड़े हों, तो समझ सकते हैं कि ये ऐसे ही नहीं आए हैं।

क्या आप मानते हैं कि फैमिली मैन ने कहीं न कहीं गेमचेंजर का काम किया?

यकीनन, इसने पूरी मनोरंजन की दुनिया को उलट-पुलट करके रख दिया था। इसने ओटीटी को बहुत बड़ी पहचान दी और ऑडियंस को बताया कि थिएटर के अलावा भी एक मीडियम है जो आपका मनोरंजन कर सकता है। उसके बाद जब दूसरा सीजन आया.. वो तो बहुत ही बड़ा था। तब से मनोरंजन की पूरी परिभाषा ही बदल गई हमारे यहां पर।

क्या आपकी असल ज़िंदगी में कभी ऐसा वक्त आया जब काम से पहले परिवार को चुनना पड़ा हो?

परिवार और मेरा काम कभी एक-दूसरे के आड़े नहीं आते। इसका पूरा श्रेय मेरी पत्नी को जाता है। अगर वह कुछ चाहती हैं और मैं खाली होता हूं, तो मैं समय देने की पूरी कोशिश करता हूं।

मैं बार-बार नेगेटिव किरदार नहीं करना चाहता था

एक्टर जयदीप अहलावत ने द फैमिली मैन में नेगेटिव किरदार निभाया है और उनका सामना मनोज बाजपेयी से हुआ है। सीरीज में उनके अभिनय की काफी तारीफ हो रही है। नेगेटिव किरदार निभाने पर उनकी कैसी छवि बन गई थी इस पर उन्होंने बात की है। बातचीत में जयदीप अहलावत ने बताया एक समय ऐसा भी था जब मुझे कई ऑफर ठुकराने पड़े थे। यह मौका कमांडो में काम करने के बाद आया था। मुझे कई अजीब तरह के नेगेटिव किरदार के ऑफर आने लगे थे। फिल्म में मैंने जो किरदार किया था वह थोड़ा अजीब और अलग था। हर कोई मुझे अजीब तरह के नेगेटिव रोल ऑफर करता। यह परेशान करने वाला था। अगर आप कुछ अलग करते हैं तो आपके पास आने वाली हर दूसरी स्क्रिप्ट वैसी ही होती है। मैं ऐसे रोल क्यों करूं। मैं बार-बार वही किरदार नहीं करना चाहता। जयदीप ने आगे बताया कि उन्होंने कुछ फिल्मों और शोज में काम किया तब उनकी छवि में बदलाव हुआ।

मेरी फिल्मों में हमेशा सोशल लेयर रहती है

फिल्ममेकर कबीर खान गोवा के पणजी में चल रहे 56वें इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में पहुंचे। इवेंट के दौरान उन्होंने बातचीत में अपने प्रोजेक्ट्स और सलमान खान के साथ काम करने को लेकर जैसे कई मुद्दों पर बात की। कबीर खान ने अपनी फिल्म चंदू चैंपियन के लीड एक्टर कार्तिक आर्यन को फिल्मफेयर अवॉर्ड्स 2025 में बेस्ट एक्टर का अवॉर्ड मिलने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा, कार्तिक ने इस फिल्म के लिए जिस लेवल की मेहनत की, वैसी मेहनत बहुत कम एक्टर करते हैं। डेढ़ साल तक उन्होंने खुद को पूरी तरह रोल के हवाले कर दिया। बॉक्सिंग सीखी, स्विमिंग सीखी, और सबसे मुश्किल बिना पैरों के स्विमिंग सीखना भी। उन्होंने अपने शरीर को 37 प्रतिशत फैट से घटाकर सिर्फ 7 प्रतिशत तक लाया। ये किसी आम कलाकार के बस की बात नहीं। जब उनसे पूछा गया कि कार्तिक आर्यन, जिनकी पहचान प्यार का पंचनामा और लुका छुपी जैसी हल्की-फुल्की फिल्मों के किरदारों से रही है, उन्हें चंदू चैंपियन जैसे गंभीर और चुनौतीपूर्ण रोल के लिए क्यों चुना गया, तो इस पर कबीर खान ने बताया कि उनके करियर की खासियत यही रही है कि वे हमेशा कलाकारों को उनकी सहज छवि से बाहर निकालते हैं। उन्होंने कहा, जब मैंने न्यूयॉर्क में कैटरीना कैफ को लिया, तो वो उनके करियर का सबसे अलग रोल था। फिल्म काबुल एक्सप्रेस में जॉन अब्राहम, 83 में रणवीर सिंह और बजरंगी भाईजान में सलमान खान इन सबने अपने करियर के सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाए। अब कार्तिक ने भी वैसा ही किया है। मेरे लिए यही सिनेमा का असली मजा है किसी एक्टर के अंदर वो रॉ मटीरियल देखना और उसे नए किरदार में ढाल देना। आने वाले प्रोजेक्ट्स पर कबीर खान ने बताया कि वे अगले महीने एक नई फिल्म की घोषणा करने वाले हैं। उन्होंने कहा, ये कहानी बहुत दिलचस्प है और इसे बेहद अलग अंदाज में बनाया जा रहा है। अभी ज्यादा नहीं बता सकता, लेकिन ये मेरे अब तक के काम से थोड़ी हटकर होगी।

जब कबीर खान से पूछा गया कि उनकी फिल्मों में हमेशा सामाजिक या राजनीतिक परत देखने को मिलती है क्या वे कभी इससे अलग दिशा में, जैसे कॉमेडी या एक्शन जॉनर में कुछ नया करने का सोचते हैं?

इस पर उन्होंने कहा, मेरी फिल्मों में हमेशा एक सोशल या पॉलिटिकल लेयर रहती है, क्योंकि मुझे वैसा सिनेमा देखना पसंद है, इसलिए मैं वैसा ही बनाता हूं, लेकिन अगर किसी कहानी में बजरंगी भाईजान जैसी कॉमेडी होगी, तो वह अपने आप आ जाएगी और अगर कहानी में एक था टाइगर या फैंटम जैसा एक्शन होगा, तो वो भी आएगा। मैं कभी जॉनर के हिसाब से नहीं, कहानी के हिसाब से सोचता हूं। मेरे लिए मूल में हमेशा ह्यूमन स्टोरी होती है।

आमिर खान और रणबीर कपूर के साथ भी काम करना चाहता हूं

जब उनसे पूछा गया कि क्या कोई ऐसा एक्टर है जो उनकी बकेट लिस्ट में शामिल है, जिनके साथ वे भविष्य में काम करना चाहते हैं, तो कबीर बोले, बहुत सारे हैं। शाहरुख खान हैं उन्होंने ट्यूबलाइट में मेरे साथ कैमियो किया था, लेकिन कभी पूरी फिल्म नहीं की। आमिर खान और रणबीर कपूर के साथ भी काम करना चाहता हूं।

बजरंगी भाईजान 2 पर बोले कबीर

सलमान खान के साथ फिर से काम करने के सवाल पर, कबीर ने कहा, मेरी और सलमान की जोड़ी हमेशा खास रही है। बजरंगी भाईजान को आज दस साल हो गए हैं, लेकिन लोगों का प्यार आज भी वैसा ही है। लोग बार-बार पूछते हैं कि बजरंगी भाईजान 2 कब बनेगी। मैं और सलमान भी इस पर बात करते हैं, लेकिन हम दोनों मानते हैं कि ऐसी फिल्म की लीगेसी को बिगाड़ना नहीं चाहिए। अगर हमें कोई शानदार स्क्रिप्ट मिलती है, तो जरूर बनाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

मानवाधिकार समूहों ने की ट्रंप प्रशासन की आलोचना

बैंकॉक, एजेंसी। मानवाधिकार समूहों ने ट्रंप प्रशासन के म्यांमार के नागरिकों के लिए निर्वासन से अस्थायी सुरक्षा समाप्त करने के फैसले की आलोचना की है। अमेरिका की होमलैंड सिक्योरिटी सचिव क्रिस्टी नोएम ने सोमवार को घोषणा करते हुए कहा कि म्यांमार में शासन और स्थिरता में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि सैन्य सरकार मुक्त और निष्पक्ष चुनाव कराने की तैयारी कर रही है तथा सफल युद्धविराम समझौते हुए हैं। इस आधार पर उन्होंने दावा किया कि नागरिकों के लिए अपने देश लौटना सुरक्षित है। हालांकि, सैन्य प्रमुख मिन आंग हलाइंग ने 2021 में आंग सान सू ची की लोकतांत्रिक सरकार को अपदस्थ किया था और सू ची अभी जेल में हैं।

अफगानों की वापसी से आर्थिक संकट की चेतावनी

काबुल, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने अफगान लोगों, विशेष रूप से निर्वासित प्रवासियों की आर्थिक संकट पर एक नई रिपोर्ट में चिंता जताई, पड़ोसी देशों से 23 लाख अफगान प्रवासियों की वापसी ने अफगानिस्तान पुनर्निर्माण प्रक्रिया को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। स्पष्ट है कि हमें ऐसे समाधानों की जरूरत है जो सहयोगात्मक, क्षेत्र-आधारित और समुदायों में निहित हों।

नाइजीरिया : केब्बी से किडनैप की गई सभी 24 स्कूली लड़कियों को बचाया

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के केब्बी राज्य में सोमवार (17 नवंबर) तड़के हथियारबंद हमलावरों ने गर्ल्स स्कूल पर हमला कर उप-प्रधानाचार्य की हत्या कर दी और 24 छात्राओं का अपहरण कर लिया। जिसके बाद अब नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला टीनुबू ने मंगलवार (25 नवंबर) को बताया कि स्कूल से हथियारबंद हमलावरों ने जिन 24 स्कूली लड़कियों को किडनैप किया था, उन सभी को बचा लिया गया है। लड़कियों को 17 नवंबर को किडनैप किया गया था, और उस समय पुलिस ने कहा था कि 25 को ले जाया गया है, लेकिन मंगलवार को एक बयान में राष्ट्रपति के हवाले से कहा गया कि किडनैप की गई सभी 24 लड़कियों को बचा लिया गया है। हालांकि बचाव अभियान के बारे में कोई अधिक जानकारी साझा नहीं की गई। बता दें कि केब्बी में हुआ हमला नाइजीरिया में हाल ही में हुए बड़े पैमाने पर किडनैपिंग के मामलों में से एक था।

पेरिस : लूव्र म्यूजियम में चोरी के मामले में 4 और आरोपी गिरफ्तार

पेरिस , एजेंसी। पेरिस के अभियोजक ने मंगलवार को चार और गिरफ्तारियों की जानकारी की है। यह गिरफ्तारी अक्टूबर में लूव्र म्यूजियम में हुई उस चौंकाने वाली चोरी के सिलसिले में हुई है, जिसमें एक गैंग ने 10.2 करोड़ डॉलर के गहने चोरी किए थे। पड़ताल को लीड कर रही अभियोजक लॉरे बेकुओ ने कहा कि हिरासत में लिए गए दो पुरुष और दो महिलाएं पेरिस इलाके के हैं और उनकी उम्र 31 से 40 साल के बीच है। उनके बयान में यह नहीं बताया गया कि 19 अक्टूबर की चोरी में उन पर क्या भूमिका होने का शक है। पुलिस उनसे 96 घंटे तक पूछताछ कर सकती है। फ्रेंच मीडिया की रिपोर्ट है कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक, 39 साल का आदमी जिसे पुलिस सर्विस पहले से जानती है, माना जा रहा है कि वह उस टीम का चौथा सदस्य है जिसने दिनदहाड़े इस बड़ी लूट को अंजाम दिया और वह ऑबरविलियर्स का रहने वाला है, जो पेरिस के उत्तर में एक सबअर्ब है, जिससे दूसरे संदिग्धों के कनेक्शन हैं।

सीरिया : हजारों अलावी लोगों ने सरकार के भेदभाव के खिलाफ प्रदर्शन किया

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में अल्पसंख्यक अलावी समुदाय के हजारों लोगों ने मंगलवार को देश के मध्य और तटीय इलाकों में सरकार द्वारा कथित भेदभाव के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों की गोलीबारी में एक व्यक्ति के घायल होने की जानकारी विपक्षी निगरानी समूह ने दी, जबकि सरकारी मीडिया का कहना है कि सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों की रक्षा की। मंगलवार का प्रदर्शन लताकिया, टार्टस और केंद्रीय शहर होम्स सहित 42 स्थानों पर हुआ। यह विरोध उस घटना के बाद शुरू हुआ, जिसमें एक बेदुईन दंपति की हत्या के बाद होम्स में बेदुईन समुदाय के लोगों ने अलावी बहुल इलाके पर हमला कर दिया था। यह विरोध ऐसे समय में हुआ है, जब पिछले साल दिसंबर में राष्ट्रपति बशर अल-असद को इस्लामी समूह 'हयात तहरीर अल-शाम' के नेतृत्व वाले विद्रोहियों द्वारा सत्ता से हटाए जाने के बाद देश में कई बार सांप्रदायिक झड़पें हो चुकी हैं। असद, जो स्वयं अलावी समुदाय से हैं, रूस भाग गए थे।

कौन होगा संयुक्त राष्ट्र का नया प्रमुख? कई बड़े नाम हैं दावेदार

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का दूसरा पांच साल का कार्यकाल अगले साल समाप्त हो रहा है। जिसके बाद नए महासचिव को चुनने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में संयुक्त राष्ट्र महासचिव का पद बेहद अहम होता है। ऐसे में कई बड़े नाम इस पद की रेस में शामिल हैं। तो आइए जानते हैं कि कैसे संयुक्त राष्ट्र महासचिव का चुनाव होता है और इसका क्या पूरी प्रक्रिया होती है?

कब शुरू होगी प्रक्रिया : संयुक्त राष्ट्र महासचिव के चुनाव की प्रक्रिया औपचारिक रूप से मंगलवार से शुरू हो गई है। मंगलवार को 15 सदस्यों वाली संयुक्त सुरक्षा परिषद और 193 देशों की महासभा के अध्यक्ष ने एक संयुक्त पत्र जारी किया है। जिसमें संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों देशों से अगले महासचिव के लिए नाम मांगे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद का उम्मीदवार संयुक्त राष्ट्र सदस्य देश का होना चाहिए। आमतौर पर यह पद क्षेत्रवार बदलता रहता है। मतलब मौजूदा महासचिव एंटोनियो गुटेरेस साल 2016 में चुने गए थे और वे पुर्तगाल यानी पूर्वी यूरोप के उम्मीदवार थे। अब यह पद किसी लैटिन अमेरिकी नेता को दिया जा सकता है। हालांकि कुछ राजनयिक अन्य क्षेत्रों से भी उम्मीदवारों के नाम दे सकते हैं।

क्या है चुनाव की प्रक्रिया : नए महासचिव की चुनाव प्रक्रिया कई महीनों तक चलेगी, जिसमें कई राउंड की वोटिंग होगी। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अगले साल के आखिर में 10वें संयुक्त राष्ट्र महासचिव के चुनाव के लिए 193 सदस्यों वाली महासभा को आधिकारिक तौर पर एक उम्मीदवार के नाम की सिफारिश करेगी। सुरक्षा परिषद एक गुप्त मतदान करेगी, जिसे स्ट्रॉ पोल कहा जाता है। स्ट्रॉ पोल में हर उम्मीदवार के लिए काउंसिल मेंबर को ये विकल्प दिए जाते हैं: प्रेरित करना, हतोत्साहित करना या कोई राय नहीं। आखिर में, सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों- अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, चीन और फ्रांस - को एक उम्मीदवार के नाम पर सहमत होना होगा। सुरक्षा परिषद में स्ट्रॉ पोल में स्थायी सदस्य देशों के लिए के लिए और 10 चुने हुए सदस्यों के लिए अलग-अलग रंग के मतपत्र होते हैं। साल 2016 में जब गुटेरेस का चुनाव किया गया था तो सुरक्षा परिषद को सहमति पर पहुंचने के लिए छह बार स्ट्रॉ पोल कराया गया था। स्टॉ पोल के बाद सुरक्षा परिषद बंद दरवाजे के पीछे एक प्रस्ताव पास कर नए महासचिव के नाम पर मुहर लगाती है। प्रस्ताव को पारित होने के लिए पक्ष में नौ वोट और किसी वीटो की जरूरत नहीं होती। कौन बन सकता है अगला यूएन महासचिव

संयुक्त राष्ट्र महासचिव बनने की रेस में कई बड़े नाम शामिल हैं। हालांकि कुछ नामों की चर्चा सबसे ज्यादा है, जो निम्न हैं- मिशेल बैचलेट-चिली: लैटिन अमेरिकी देश चिली की तरफ से पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बैचलेट का नाम प्रस्तावित किया जाएगा। चिली के राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिस ने हाल ही में अपने एक बयान में कहा कि बैचलेट चिली की पहली महिला राष्ट्रपति थीं और वे दक्षिण अमेरिकी देशों के अध्यक्ष पद पर भी रह चुकी हैं। बैचलेट साल 2018-2022 के बीच संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार उच्चायुक्त और उससे पहले यूएन वुमन की कार्यकारी अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। रेबेका ग्रिनस्पान-कोस्टा रिका: कोस्टा रिका की तरफ से पूर्व उपराष्ट्रपति रेबेका ग्रिनस्पान के नाम को प्रस्तावित किया जा सकता है। राष्ट्रपति रोड्रिगो शावेज ने इसकी जानकारी दी। 69 वर्षीय ग्रिनस्पैन अभी संयुक्त राष्ट्र कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलेपमेंट के महासचिव पद पर सेवाएं दे रहे हैं। राफेल ग्रोसी-अर्जेंटीना: अर्जेंटीना की तरफ से राफेल ग्रोसी का नाम प्रस्तावित किया जा सकता है। ग्रोसी, अर्जेंटीना के पूर्व राजनयिक हैं और फिलहाल इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी के महानिदेशक पद पर हैं।

रिपोर्ट का दावा- काश पटेल को एफबीआई निदेशक पद से हटाएंगे ट्रंप, व्हाइट हाउस ने किया खारिज

वॉशिंगटन, एजेंसी। एक रिपोर्ट के हवाले से दावा किया जा रहा है कि एफबीआई निदेशक के रूप में काश पटेल का भविष्य सवालों के घेरे में है। रिपोर्ट में इस मामले से परिचित तीन लोगों के हवाले से बताया गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आगामी महीनों में उन्हें हटाने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, व्हाइट हाउस की ओर से इस रिपोर्ट को तुरंत खारिज कर दिया गया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक्स पर लिखा कि यह खबर पूरी तरह से मनगढ़ंत है। उन्होंने कहा कि जब यह शीर्षक प्रकाशित हुआ, तब वह ओवल ऑफिस में थीं, जहां ट्रंप पटेल और उनकी कानून प्रवर्तन टीम के साथ बैठक कर रहे थे।

एक रिपोर्ट में कहा गया कि ट्रंप अपने वरिष्ठ सहयोगी पटेल के बारे में नकारात्मक सुर्खियों की लहर से परेशान हो गए हैं और उन्हें हटाने पर चर्चा शुरू कर दी है। कैरोलिन लेविट ने बताया कि राष्ट्रपति इस कहानी पर हंसे और पटेल के नेतृत्व में विश्वास दिखाने के लिए उनके साथ फोटो खिंचवाई।

रिपोर्ट में दावा किया गया था कि ट्रंप ने सहयोगियों को बताया है कि वह एफबीआई निदेशक पद के लिए शीर्ष एफबीआई अधिकारी एंड्रयू बेली के नाम पर विचार कर रहे हैं। दो सूत्रों ने पटेल को बहुत ही कमजोर स्थिति में बताया था। सूत्रों ने कहा था कि उनका हटना पहले से कहीं ज्यादा नजदीक दिख रहा है। हालांकि व्हाइट हाउस की प्रतिक्रिया सामने आने के बाद इस मामले का पटाक्षेप होता दिख रहा है।

पटेल को कई सप्ताह से ब्यूरो संसाधनों के प्रबंधन के संबंध में जांच का सामना करना पड़ रहा है। इनमें उनकी प्रेमिका की सुरक्षा व्यवस्था, सरकारी जेट के इस्तेमाल और ट्रंप के वफादार साथियों के साथ आंतरिक टकराव के बारे में सवाल शामिल हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने एक रिपोर्ट में बताया था कि उन्होंने कई निजी यात्राओं के लिए सरकारी विमान का इस्तेमाल किया था। इसमें टेक्सास के एक लग्जरी रिसॉर्ट और टेनेसी में अपनी प्रेमिका के घर की यात्रा भी शामिल थी।

इथियोपिया में ज्वालामुखी का प्रकोप थमा

अदीस अबाबा, एजेंसी। उत्तरी इथियोपिया के लंबे समय से निष्क्रिय रहे हेली गुब्बी ज्वालामुखी में पिछले सप्ताहांत हुए विस्फोट के बाद अब ज्वालामुखीय गतिविधि कम हो गई है। इस विस्फोट ने आसपास के इलाकों में भारी नुकसान पहुंचाया और राख के बादल उड़ान मार्गों में फैल जाने के कारण कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं। अफार क्षेत्र के अफदेरा जिले के गांव राख की मोटी परत से ढक गए। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार लोग खांसी की समस्या से जूझ रहे हैं और पशुधन के लिए पानी और घास पूरी तरह राख से ढक गई है। ज्वालामुखी विस्फोट के बाद कई एयरलाइंस ने प्रभावित रूटों पर उड़ानें रद्द कर दीं। मौसम विभाग के अनुसार राख के बादल देर शाम तक साफ होने की संभावना है। भारत की एयर इंडिया ने सोमवार और मंगलवार को 11 उड़ानें रद्द कर दीं। इनमें ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल थीं। एयरलाइन ने बताया कि भारतीय विमानन नियामक के निर्देश पर प्रभावित क्षेत्रों से गुजरने वाले विमानों की जांच की जा रही है। भारत की अकासा एयर ने भी जेद्दा, कुवैत और अबू धाबी जैसी मध्य पूर्व की उड़ानों पर रोक लगाई। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से कम से कम सात अंतरराष्ट्रीय उड़ानें मंगलवार को रद्द हुईं, जबकि एक अधिकारी के अनुसार दर्जन भर उड़ानें देरी से रवाना हुईं। मौसम विभाग ने बताया कि 8 से 15 किलोमीटर की ऊंचाई और हवा की गति 100 से 150 किमी प्रति घंटा होने के कारण राख का यह गुबार बड़ा खतरा नहीं बना। यह गुबार अब चीन की ओर बढ़ गया है।

इंडोनेशिया: मूसलाधार बारिश ने मचाई भीषण तबाही, सुमात्रा द्वीप पर बाढ़-भूस्खलन से 10 की मौत, कई लापता

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर मूसलाधार बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ गई और भूस्खलन में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य लापता हो गए। पुलिस ने बुधवार को एक बयान में कहा कि पिछले हफ्ते हुई मानसूनी बारिश की वजह से नदियों के बांध टूट गए। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी गांवों में कीचड़ भर गया, चट्टानें और पेड़ गिर गए, जिससे भारी तबाही हुई। इन घटनाओं के बाद बचाव दल उत्तरी सुमात्रा प्रांत के छह क्षेत्रों में प्रभावित इलाकों तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बयान के अनुसार बचावकर्मियों ने बुधवार तक सबसे ज्यादा प्रभावित सिबोल्गा शहर से कम से कम पांच शव बरामद किए हैं। साथ ही तीन घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाया है। पड़ोसी जिले मध्य तपनौली में भूस्खलन की चपेट में आकर कई घर तबाह हो गए, जिसमें कम से कम चार लोगों का एक परिवार मारा गया और बाढ़ से लगभग 2,000 घर और इमारतें जलमग्न हो गईं। बाढ़ और भूस्खलन के कारण पेड़ों के उखड़ने से दक्षिण तपनौली जिले में एक ग्रामीण की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। मंडेलिंग नटाल जिले में एक पुल नष्ट हो गया और 470 घर जलमग्न हो गए। बयान में कहा गया है कि नियास द्वीप में कीचड़ और मलबे की वजह से एक मुख्य सड़क बाधित हो गई है।

सिबोलगा के पुलिस प्रमुख एडी इंगंटा ने कहा कि आपातकालीन आश्रय स्थल स्थापित कर दिए गए हैं और अधिकारियों ने उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों के निवासियों से तत्काल घर खाली करने का आग्रह किया है। पहाड़ी शहर में छह भूस्खलनों में 17 घर और एक कैफे ध्वस्त होने के बाद उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि लगातार बारिश से और ज्यादा भूस्खलन हो सकता है। इंगंटा ने कहा कि खराब मौसम और भूस्खलन के कारण बचाव अभियान में रुकावट आई है। उन्होंने कहा कि बचावकर्मियों के कठिन परिस्थितियों से जूझने के कारण पहुंच सीमित बनी हुई है। राष्ट्रीय आपदा एजेंसी ने इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा के दो इलाकों में 10 दिनों के अभियान के बाद राहत कार्यों की मंगलवार को आधिकारिक समाप्ति का एलान किया था। कुछ ही घंटों बाद सुमात्रा द्वीप पर बारिश की वजह से बाढ़ और भूस्खलन का कहर देखने को मिला। वहीं, मध्य जावा के सिलाकैप और बंजारनेगारा जिलों में मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन में दबे लोगों की तलाश के लिए 1,000 से ज्यादा बचावकर्मियों को तैनात किया गया था। भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में 38 लोगों की मौत हो गई थी।

संयुक्त राष्ट्र की चौंकाने वाली रिपोर्ट: दुनिया में हर 10वें मिनट एक महिला की हत्या, हर दिन 137 महिलाओं की मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि दुनिया भर में लगभग हर 10 मिनट में किसी महिला या लड़की की हत्या उसके साथी या परिवार के सदस्य द्वारा कर दी जाती है।

यह औसतन हर दिन 137 हत्याएं बनती हैं। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) और यूएन विमेन की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि फेमिसाइड (महिलाओं की लैंगिक आधार पर हत्या) अब भी लाखों महिलाओं और लड़कियों की जान ले रहा है और इस पर रोक लगाने में कोई ठोस प्रगति नहीं दिख रही।

यूएनओडीसी के कार्यकारी निदेशक जॉन ब्रांडोलिनो ने कहा, दुनिया की बहुत बड़ी संख्या में महिलाओं और लड़कियों के लिए घर आज भी खतरनाक और कई बार जानलेवा जगह बना हुआ है। उन्होंने फेमिसाइड रोकने के लिए बेहतर रोकथाम उपायों और प्रभावी न्यायिक व्यवस्था की जरूरत पर जोर दिया। यूएन विमेन की नीति प्रभाग निदेशक सारा हेंड्रिक्स ने ऑनलाइन हिंसा की बढ़ती भूमिका पर चिंता जताई। उनके अनुसार, डिजिटल हिंसा कई बार ऑनलाइन से आगे बढ़कर वास्तविक दुनिया में पहुंचती है और चरम रूप में हत्या जैसी घटनाओं का कारण बन सकती है।

पिछले साल 83 हजार महिलाओं की हुई हत्या : रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष 83,000 महिलाओं और लड़कियों की जानबूझकर हत्या की गई, जिनमें से 60 फीसदी यानी 50,000 की हत्या उनके अंतरंग साथी या परिवार के सदस्यों ने की। इसके मुकाबले पुरुषों की हत्या के सिर्फ 11 फीसदी मामलों में ही उनके साथी या परिजन शामिल थे। हालांकि 2024 में करीबी द्वारा हुई 50,000 हत्याएं, 2023 के अनुमान (51,100) से थोड़ी कम हैं, लेकिन रिपोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह कमी वास्तविक गिरावट नहीं है, बल्कि देशों से उपलब्ध आंकड़ों में अंतर की वजह से है।

अफ्रीका में हत्या की दर सबसे ज्यादा : रिपोर्ट में बताया गया कि अंतरंग साथी या परिवार के सदस्य द्वारा की गई फेमिसाइड की सबसे ज्यादा दर अफ्रीका (प्रति 1 लाख महिलाओं पर 3) में दर्ज की गई। इसके बाद अमेरिका (1.5), ओशिआनिया (1.4), एशिया (0.7) और यूरोप (0.5) का स्थान रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि घर के बाहर होने वाली फेमिसाइड की घटनाओं के बारे में अभी भी पर्याप्त डाटा उपलब्ध नहीं है।

शेख हसीना की सजा के खिलाफ अवामी लीग का हल्लाबोल, 30 नवंबर तक देशव्यापी आंदोलन शुरू

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की बेदखल पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को दी गई मृत्युदंड की सजा के खिलाफ उनकी पार्टी अवामी लीग ने मंगलवार (25 नवंबर) को 30 नवंबर तक देशभर में विरोध प्रदर्शन और 'प्रतिरोध मार्च' निकालने का एलान किया है। पार्टी ने इस सजा को 'अवैध ट्राइब्यूनल का अवैध फैसला' बताते हुए इसे राजनीतिक साजिश करार दिया है।

17 नवंबर को सुनाई थी फांसी की सजा : 17 नवंबर को बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (ICT-BD) ने 78 वर्षीय हसीना और तत्कालीन गृह मंत्री असदुज्जमान खान कमाल को मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोप में फांसी की सजा सुनाई थी। दोनों नेताओं का मुकदमा अनुपस्थिति में चला। हसीना फिलहाल भारत में हैं, जबकि कमाल के भी भारत में छिपे होने की आशंका है।

अंतरिम सरकार की साजिश दिया करार : अवामी लीग ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया कि यह फैसला मुहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार की साजिश है, ताकि हसीना और उनकी पार्टी को अगले वर्ष फरवरी में प्रस्तावित चुनाव से दूर रखा जा सके। पार्टी ने 'अवैध ट्राइब्यूनल के अवैध फैसले' को अस्वीकार करते हुए यूनुस के इस्तीफे की मांग की और देश के सभी जिलों और उपजिलाओं में 30 नवंबर तक प्रदर्शन और प्रतिरोध रैलियां आयोजित करने की घोषणा की। अवामी लीग ने कहा कि यह फैसला 'तमाशा' है, जिसे जनता 'तिरस्कार के साथ खारिज कर चुकी है।

पूरे देश में कड़े आंदोलन का एलान : अवामी लीग ने दावा किया कि वह जमीनी कार्यकर्ताओं और राजनीतिक संगठनों के साथ मिलकर 'राष्ट्रविरोधी साजिशों' का मुकाबला करेगी और किसी भी कीमत पर 'मुक्ति संग्राम समर्थक ताकतों को चुनाव से बाहर करने की कोशिशों' को नाकाम करेगी। बयान में कहा गया कि बांग्लादेश में साजिश के जरिए चुनाव नहीं होने दिया जाएगा। किसी भी कीमत पर इसका विरोध किया जाएगा। अवामी लीग ने चेतावनी दी कि जल्द ही पूरे देश में कड़े आंदोलन की घोषणा की जाएगी। गौरतलब है कि पिछले साल 5 अगस्त को 'जुलाई विद्रोह' नाम का छात्रों के नेतृत्व वाले हिंसक विरोध प्रदर्शन में शेख हसीना की अवामी लीग सरकार गिरा दी गई थी।

चीन को मुंहतोड़ जवाब देने की तैयारी में ताइवान, राष्ट्रपति पेश करेंगे 40 अरब का अतिरिक्त रक्षा बजट

ताइपे, एजेंसी। ताइवान ने चीन की आक्रामकता को मुंहतोड़ जवाब देनी की तैयारियां शुरू कर दी हैं। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने वाशिंगटन पोस्ट के एक लेख में कहा कि देश अपनी रक्षा के दृढ़ संकल्प को दर्शाने के लिए 40 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त रक्षा बजट पेश करेगा। इस बजट में जरूरी नए अमेरिकी हथियारों की खरीद की योजना भी शामिल है।

राष्ट्रपति चिंग-ते के इस बयान से चीन को मिर्ची लगना तय है। बीते पांच वर्षों में चीन ने ताइवान को अपने देश का हिस्सा बताने के दावों को पुख्ता करने के लिए ताइपे पर सैन्य और राजनीतिक दबाव बढ़ा दिया है। हालांकि, ताइवान इसे दृढ़ता से खारिज करता रहा है। ताइवान को वाशिंगटन से अपनी रक्षा पर ज्यादा खर्च करने के लिए भी गुजारिश करनी पड़ रही है, जो यूरोप पर अमेरिका के दबाव को दर्शाता है। इस साल अगस्त महीने में लाई ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि 2030 तक रक्षा व्यय सकल घरेलू उत्पाद के 5 फीसदी तक पहुंच जाएगा।

उन्होंने मंगलवार को प्रकाशित लेख में कहा, 'यह ऐतिहासिक पैकेज न केवल अमेरिका से महत्वपूर्ण नए हथियारों की खरीद को वित्तपोषित करेगा, बल्कि ताइवान की विषम क्षमताओं को भी व्यापक रूप से बढ़ाएगा।' उन्होंने लिखा कि ऐसा करने में हमारा लक्ष्य बीजिंग की ओर से बल प्रयोग के संबंध में फैसले लेने में ज्यादा लागत और अनिश्चितताएं डालकर निवारण को मजबूत करना है।

लाई ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह अतिरिक्त रक्षा व्यय का प्रस्ताव देंगे , लेकिन उन्होंने इसका ब्यौरा नहीं दिया था। उनके कार्यालय ने बताया कि लाई बुधवार सुबह वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों की बैठक के बाद रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू के साथ एक संवाददाता सम्मेलन करेंगे। 2026 तक सरकार रक्षा खर्च को 949.5 अरब ताइवान डॉलर (30.25 अरब डॉलर) तक पहुंचाने का प्रस्ताव कर रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार यह जीडीपी के 3.32 फीसदी के बराबर है, जो 2009 के बाद पहली बार 3 फीसदी की सीमा को पार कर गया है। औपचारिक राजनयिक संबंधों के अभाव के बावजूद अमेरिका कानून के मुताबिक ताइवान को आत्मरक्षा के साधन मुहैया कराने के लिए बाध्य है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद से उनके प्रशासन ने अब तक ताइवान को केवल एक नए हथियार की बिक्री को मंजूरी दी है। जो लड़ाकू जेट और अन्य विमान भागों के लिए 330 मिलियन डॉलर का पैकेज है, जिसकी घोषणा इस महीने की शुरुआत में की गई थी। लाई ने लिखा, 'हम राष्ट्रपति ट्रंप के आभारी हैं कि उन्होंने दुनिया भर में अमेरिकी नेतृत्व के महत्व को स्पष्ट कर दिया है। ट्रंप प्रशासन की ताकत के जरिए शांति की कोशिशों की वजह से आज अंतरराष्ट्रीय समुदाय ज्यादा सुरक्षित है।' चीन की ओर से अलगाववादी घोषित किए जाने की कोशिशों के बावजूद उन्होंने चीन के साथ वार्ता करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। लाई ने लिखा, 'हम इस समझ के साथ कि हमारा लोकतंत्र और स्वतंत्रता समझौता-योग्य नहीं है, दोनों देशों के बीच संवाद के अवसरों की तलाश जारी रखेंगे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com